Vishnulene®
VSM SUITINGS & SHIRTINGS
Vishnu Laxmi Silk Mills
29,A-6, Udit Mittal Ind. Estate, Andheri Kurla Road,
Andheri (E), Mumbai- 59
E-mail: shahsaras@gmail.com

पाक्षिक
SINCE 1998
टेक्सटाइल वर्ल्ड
Postal Registration No : BHILWARA/208/2021-2023 Posting on 09-05-2023 at Rail Mail Service, Bhilwara
वर्ष-25 अंक-22 भीलवाड़ा/ 07 मई, 2023 कुल पृष्ठ- 12 मूल्य : 25 रुपए 1

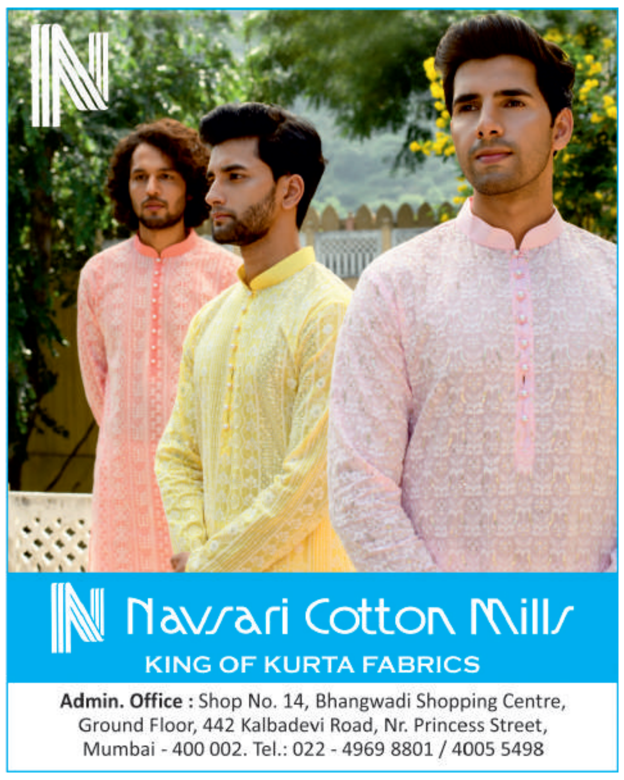

वैश्विक आर्थिक मंदी की आहट के बीच बांग्लादेश से रेडीमेड गारमेण्ट निर्यात में वृद्धि जारी

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

वैश्विक आर्थिक मंदी के बीच जहां अनेक देशों से रेडीमेड गारमेंट निर्यात में गिरावट आ रही है, वहीं बांग्लादेश से निर्यात में लगातार वृद्धि हो रही है तथा चालू वित्त वर्ष 2022-23 (जुलाई-जून) के दौरान निर्यात में 12 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। उल्लेखनीय है कि गारमेंट निर्यात में बांग्लादेश का स्थान चीन के बाद आता है। बांग्लादेश के कुल निर्यात और देश की अर्थव्यवस्था में भी गारमेंट निर्यात की प्रमुख भूमिका है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार जुलाई से मार्च तक के चालू वित्त वर्ष के पहले 9 महिनों के दौरान बांग्लादेश से 35.25 बिलियन डॉलर मूल्य के रेडीमेड गारमेंट का निर्यात किया गया है, जो गत वर्ष के इसी अवधि के निर्यात 31.48 बिलियन डॉलर की तुलना में 12.17 प्रतिशत अधिक है।

सरकार ने जुलाई-मार्च अवधि के लिए निर्यात लक्ष्य 34.10 मिलियन डॉलर का रखा था। इस प्रकार निर्यात इस अवधि के लक्ष्य को पार कर चुका है। बांग्लादेश से वूवन रेडीमेड गारमेंट के निर्यात में वृद्धि की दर अधिक है। आंकड़ों के अनुसार आलोच्य अवधि में निट वीयर गारमेंट का निर्यात लगभग 12 प्रतिशत बढ़कर 19.13 बिलियन डॉलर हो गया है। गत वर्ष इसी अवधि में निर्यात 17.11 बिलियन डॉलर का था।

प्राप्त आंकड़ों के अनुसार वूवन गारमेंट का निर्यात 12.63 प्रतिशत बढ़कर 16.11 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया। गत वर्ष इसी अवधि में निर्यात 14.31 बिलियन डॉलर का हुआ था। दूसरी ओर, होम टेक्सटाइल्स के निर्यात में कमी आई है और लगभग 26 प्रतिशत लुढ़क कर 659.94 मिलियन डॉलर रह गया। बांग्लादेश के कुल निर्यात में गारमेंट, क्लोदिंग एसेसरीज और होम टेक्सटाइल्स की कुल हिस्सेदारी 86 प्रतिशत से अधिक है।

उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश से 2021-22 में रेडीमेड गारमेंट का कुल निर्यात 42.61 बिलियन डॉलर का रिकॉर्ड स्तर छू चुका है, जो इससे पूर्व वर्ष के निर्यात की तुलना में 35.76 प्रतिशत अधिक था। वित्त वर्ष 2010-21 में वहां से 31.46 बिलियन डॉलर का निर्यात किया गया था।

WORLD CLASS
44 Cotton & Cool Body Beautiful
44®
ISO 9001
2000 CERTIFIED CO.
Email : info@vimalmillsindia.com
Customer Care No. - 02988-222093, 8696464444

Since 1999 9004668794
KATARIA INSURANCE
SHOP . GODOWN . FACTORY

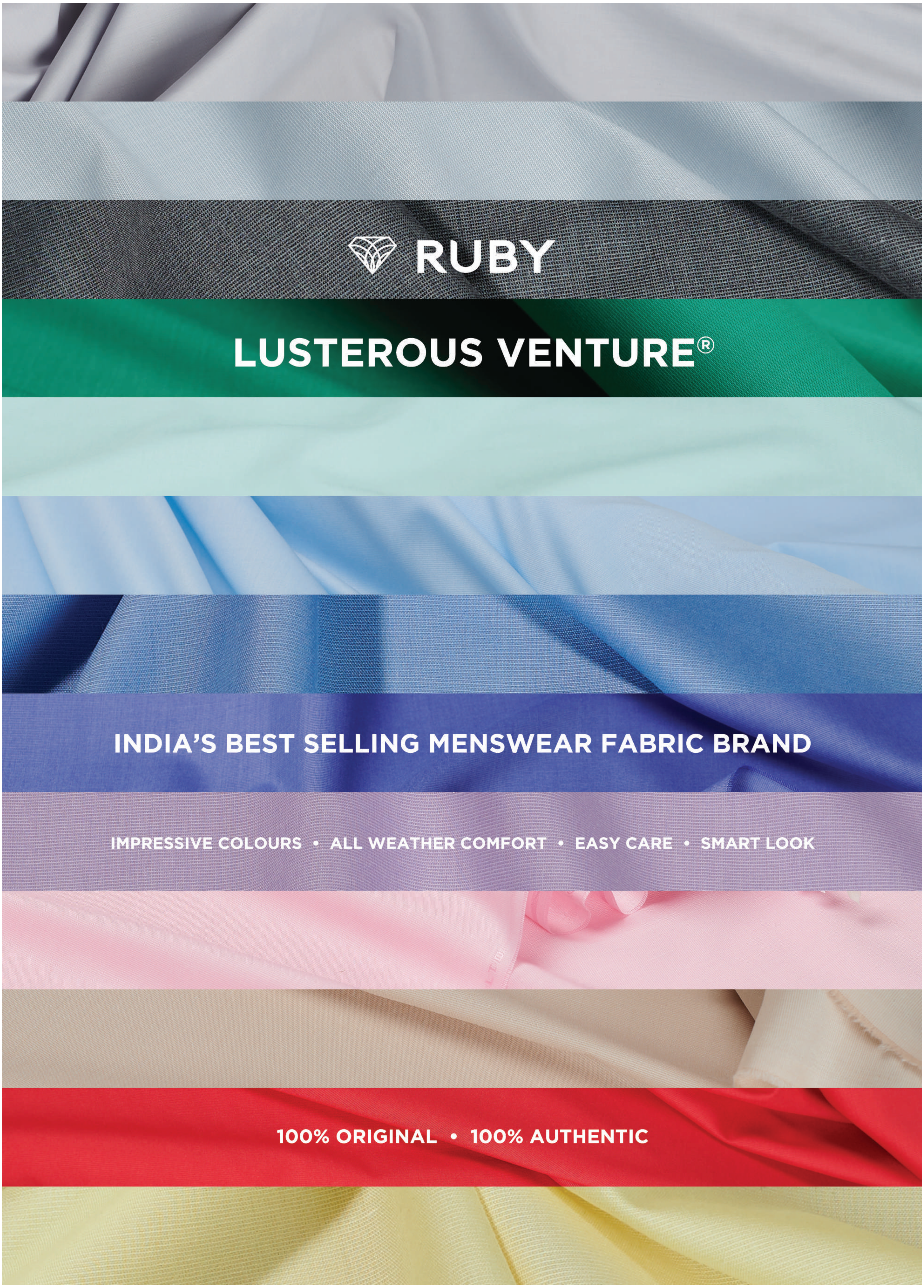
RUBY
LUSTEROUS VENTURE®
INDIA'S BEST SELLING MENSWEAR FABRIC BRAND
IMPRESSIVE COLOURS • ALL WEATHER COMFORT • EASY CARE • SMART LOOK
100% ORIGINAL • 100% AUTHENTIC

कई प्रमुख राज्यों में कपास की पैदावार कम होने से अनुमान घटा

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डेय

देश में रुई की पैदावार घटने का अनुमान है। कपास एवं रुई की आवक में देरी के कारण उत्पादन अनुमान दो बार घटाने पड़े हैं। हाल ही में रुई का उत्पादन अनुमान घटाकर 303 लाख गांठ किया गया,जो अक्टूबर 2022 से शुरू हुए सीजन के प्रारंभिक अनुमान की तुलना में करीब 40 लाख गांठ कम है। कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने 2022-23 के लिए 344 लाख गांठ का अनुमान दिया था, जिसे घटाकर अब 303 लाख गांठ किया है। इस सीजन में भारत में रुई का उत्पादन सबसे कम रह सकता है। संकर 6 वेराइटी रुई का भाव प्रति खंडी 63000 रु के करीब है। निर्यात में कारोबार अपेक्षित प्रमाण में नहीं हो रहा है तो स्पिनिंग मिलों की रुई की मांग अधिक नहीं होने से स्थिरता लग रही है। इंटरनेशनल कॉटन एडवाइजरी कमेटी के अनुसार भारत में कपास एवं रुई की आवक आंकड़े असामान्य तौर पर कम हैं। किसानों को उनकी उपज की अच्छी कीमत मिली थी, लेकिन उसके बाद भाव घटे तथापि किसानों को अभी अच्छा भाव मिलने की आशा है, इसलिए उनके पास कपास का स्टॉक होने की जानकारी है, तो दूसरी ओर कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया का तर्क है कि महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश और पंजाब में कपास की पैदावार कम होने के कारण रुई उत्पादन अनुमान घटा है। मौजूदा सीजन में पंजाब में दो लाख गांठ, महाराष्ट्र में तीन लाख गांठ और तेलंगाना में पांच लाख गांठ तथा आंध्रप्रदेश में 50 हजार गांठ तक रुई पैदावार कम होने का अनुमान इस संस्थान को है। अक्टूबर से मार्च तक की अवधि में 170 किलो की एक गांठ ऐसी कुल 229.02 लाख गांठ रुई की आपूर्ति होने का अनुमान है। इसमें 190.63 लाख गांठ की आवक और 6.50 लाख गांठ आयात शामिल है। सीजन की शुरूआत में ओपनिंग स्टॉक 31.89 लाख गांठ था। रुई का निर्यात घटकर 25 लाख गांठ के आसपास रह सकता है, जो पिछली सीजन में 43 लाख गांठ था। इस वर्ष रुई का निर्यात न्यूनतम है। भारत के निर्यातकों का कहना है कि सिर्फ बांग्लादेश थोड़ा-थोड़ा आयात कर रहा है, कारण कि बांग्लादेश में विदेशी मुद्रा की समस्या होने से उसका आयात कम है, जबकि अन्य आयातक देशों की रूचि कम है। चीन का इस वर्ष आयात नहीं है, इस कारण निर्यात को भारी झटका लगा है। रुई की निर्यात मांग अगर अब निकलती भी है, तो इतनी देरी हो चुकी है कि निर्यात में अधिक सुधार होने की संभावना कम नजर आ रही है। निर्यात कम होने का दूसरा कारण हाजिर में भारतीय रुई का भाव 63000 रु के करीब चल रहा है, जबकि दूसरी तरफअमेरिकी रुई 52 से 54 हजार रु के आसपास आसानी से उपलब्ध है। यद्यपि इस दौरान भारत में रुई के भाव काफी नीचे चले गए है, फिर भी निर्यात का बढ़ना निर्यातकों के लिए चुनौतीपूर्ण है पिछली सीजन में देश से 42 से 43 लाख गांठ का निर्यात वैश्विक बाजारों में किया गया था, लेकिन अब चीन, वियतनाम, बांग्लादेश सहित कई आयातक देशों की मांग आर्थिक मंदी के कारण कम हुई है, इसलिए निर्यात कारोबार दमदार नहीं है।

बाजार में शानदार ग्राहकी

रेवाड़ी/ जयप्रकाश शर्मा

शादियों का सीजन होने से बाजार में अच्छी ग्राहकी चल रही है। इन दिनों मौसम खराब होने से ग्राहकी प्रभावित हो रही है। शाम पड़ते ही बरसात शुरू हो जाती है। बरसात के साथ आंधी व ओले पड़ने से चलती शादियों में काफी नुकसान हुआ है। आजकल रेडीमेड का चलन बहुत ज्यादा हो गया है, क्योंकि टेलर ड्रेस सिलाई के 650/- से 950/- तक ले रहा है। फिर टेलर भी कम हैं। अभी सभी तरह की साड़ियों की डिमाण्ड बहुत अच्छी है। कुल मिलाकर बाजार में ग्राहकी अच्छी है, वहीं पैसे की आवक भी अच्छी बनी हुई है। आगे भी लगन होने से बाजार अच्छा चलने की संभावना है।

बाजार में ग्राहकी बेहतर

ब्यावर/अनिल डोसी

बाजार में शादी ब्याह की ग्राहकी अच्छी चल रही है। खराब मौसम और बरसात से ग्राहकी प्रभावित हो रही है। स्कूल ड्रेस का भी सीजन शुरू हो चुका है, इसमें रेमण्ड व्हाइट की मांग निकली है, जिसके ऑर्डर बुक करा दिये हैं। जनरल क्वालिटी के सभी आइटमों की मांग व बिक्री अच्छी चल रही है। रेडीमेड गारमेण्ट का चलन ज्यादा हो जाने से इसकी बिक्री भी अच्छी चल रही है। पेमेण्ट की आवक भी ठीक है।

गर्मी के वस्त्रों की मांग घटी

उदयपुर / नवीन कोठारी

मई माह की शुरुआत हो जाने पर भी गर्मी नदारद रहने से गर्मियों में बिकने वाले वस्त्रों की मांग नहीं है। बार-बार पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय हो जाने से ठण्डी हवाएँ, बरसात और कहीं-कही ओलावृष्टि से सर्दी जाने का नाम नहीं ले रही। इन दिनों वातावरण में तीनों मौसम सर्दी-गर्मी और बरसात एक साथ देखे जा रहे हैं। तीनों मौसम के एक साथ आ जाने से बहुत लोग रोग ग्रस्त हो रहे हैं, अस्पतालों में पाँव रखने की जगह नहीं बच रही। आम तौर पर होली के बाद से ही गर्मी शुरू हो जाती है और मई माह की शुरुआत तक तो कूलर व एसी भी गर्मी से राहत नहीं देते हैं, ऐसी को गर्मी पड़ने लगती है। यही कारण होता है जब बाजार में कॉटन वस्त्रों और गर्मी में बिकने वाले वस्त्रों की मांग चरम पर होती है। बीच में कुछ दिनों की गर्मी को देखते हुए वस्त्र व्यापारियों ने भरपूर समर गुड्स मंगवा लिए, किन्तु अभी तक बाजार में उनकी मांग नदारद है। मौसम विभाग की मानें तो कुछ दिन इस बार तेज गर्मी पड़ने की सम्भावना नहीं है। वैवाहिक सीजन की वजह से बाजार में चहल-पहल है। बीते दिनों वस्त्र बाजार में वैवाहिक बिक्री जोरों पर रही और आने वाले दिनों में भी बहुत शादियों की वजह से जबरदस्त बिक्री के आसार हैं।

मंडी में ग्राहकी सुस्त, कॉटन ग्रे कमजोर

पाली/ कैलाश टवाणी

बाहर की मण्डियों की मांग कमजोर होने से रेडीमेड माल की मांग नहीं है। ऐसा पहली बार हुआ है कि अप्रैल में ग्राहकी कमजोर रही। अब आगे ग्राहकी चलने की उम्मीद है। अप्रैल में ग्रे माल का उत्पादन कमजोर होने व रमजान माह होने से बाजार स्थिर रहा। अब मई में लूम चलने लगे, किन्तु खरीदी नहीं होने के कारण मार्केट कम हो गए। पहली बार बाजार में नाणातंगी देखी जा रही है। यहाँ प्रदूषण ज्यादा होने से रोटेशन अनुसार फैक्ट्रियाँ चल रही है और सप्ताह में दो दिन बंद रखनी पड़ रही है। शेष 5 दिन भी प्रोडक्शन 12 घण्टे से अधिक नहीं ले सकते। प्रशासन इस पर पूरी निगाह रख रहा है। अभी केवल 12 MLD के व प्लांट पर ही उत्पादन हो रहा है। अभी 400 फैक्ट्री मालिकों को जयपुर जाकर मुख्यमंत्री से मुलाकात कर 10 MLD का प्लाण्ट लगवाने की मांग की। यदि ऐसा होता है तो पोल्यूशन की समस्या का हल किसी सीमा तक हो सकता है।

यहाँ निर्मित होने वाले उत्पादन यथा रूबिया, अस्तर, सूट, टेरी रूबिया आदि की अभी डिमाण्ड नहीं है। कॉटन साड़ी की थोड़ी बहुत डिमाण्ड बताई जा रही है। पहले 70 प्रतिशत उद्यमी साड़ी बनाते थे। अब केवल 10 प्रतिशत ही रह गए, इसी कारण डिमाण्ड बनी रहती है। अभी केवल डाइंग का काम चल रहा है।

न्यूयॉर्क कॉटन-अप्रैल में 2.8 प्रतिशत घटी

नई दिल्ली/ आर्थिक मंदी की आशंका से आगामी दिनों में टेक्सटाइल, गारमेंट आदि की मांग प्रभावित होने से गत माह न्यूयॉर्क में जुलाई कॉटन निर्यात मांग के अभाव में 2.80 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुई। इसके अतिरिक्त मजबूत डॉलर के कारण भी निर्यात मांग प्रभावित हो रही है। व्यापारियों का कहना है कि लगभग पूरे माह कॉटन वायदा दबाव में रहा, लेकिन अंतिम सप्ताह में कुछ सुधार हुआ। बहरहाल, इस सुधार के बावजूद पूरे माह में गिरावट रही। अनुमान है कि कॉटन के ऊंचे भाव और कच्चे तेल में गिरावट के कारण पोलियस्टर इसकी तुलना में सस्ता होगा और इससे प्राकृतिक रेशे की मांग प्रभावित हो सकती है। वस्तुतः अनेक फैब्रिक निर्माता अब कॉटन यार्न के स्थान पर मेन मेड फाईबर का उपयोग करने लगे हैं।

इचलकरंजी में मजदूरी को लेकर मालिक-कामगारों में तनाव की

कोल्हापुर/ राहुल खाड़े

पॉवरलूम कामगारों को लगभग चार माह के बाद सहायक कामगार आयुक्त कार्यालय की ओर से मजूरी बढ़ाने की घोषणा हुई। उसके बाद 1 जनवरी 2023 से मजूरी बढ़ाकर देने की घोषणा हुई। जिसके चलते कामगार संगठनों की ओर से 1 तारीख को मजूरी बढ़ाकर देने का आह्वान किया गया, लेकिन पावरलूमधारक मजुरी बढ़ाकर देने की स्थिती में नही है। जिसके चलते दोनों घटको में संघर्ष होने की संभावना है। पॉवरलूम कामगारों को सन 2013 से हर साल महंगाई भत्ते को पीस रेट में रूपांतरित कर मजूरी बढ़ाकर देने पर संयुक्त बैठक में सहमति बनी। उसके अनुसार सन सन 2017 तक अमल हुआ, लेकिन उसके बाद 2022 तक हर साल जनवरी के पहले हफ्ते में मजूरी बढ़ाने की घोषणा की जाती थी। इस साल तो घोषणा भी नही हुई। वह लगभग चार माह के बाद अब हुई। घोषणा के अनुसार प्रत्यक्ष मजूरी बढ़ाकर नही दी जा रही, लेकिन कार्यालय की ओर से जाहिर किए पत्रक में 1 जनवरी 2023 से 52 पीक को 19 पैसे मजूरी बढ़ाकर दे, ऐसी सूचना दी है लेकिन प्रत्यक्ष उसपर अमल होना संभव नही है। जिस तरह पावरलूम कामगारों को पॉवरलूमधारकों की ओर से मजूरी बढ़ाकर नही मिली, उसी तरह पावरलूमधारकों को ट्रेडिंगधारकों की ओर से मजूरी बढ़ाकर नही मिल रही है। इस तरह मजूरी की समस्या बनी हुई है। इचलकरंजी वस्त्रोद्योग की श्रृंखला को सुचारू चलाने के लिए सभी घटकों में सुसूत्रता लाना जरुरी है लेकिन इसमें बार बार समस्या आ रही है। इस पर सहायक कामगार आयुक्त , लोक प्रतिनिधि और तीनों घटकों के प्रतिनिधियों को मिलकर मजूरी के सवाल पर हल निकालना जरुरी है।

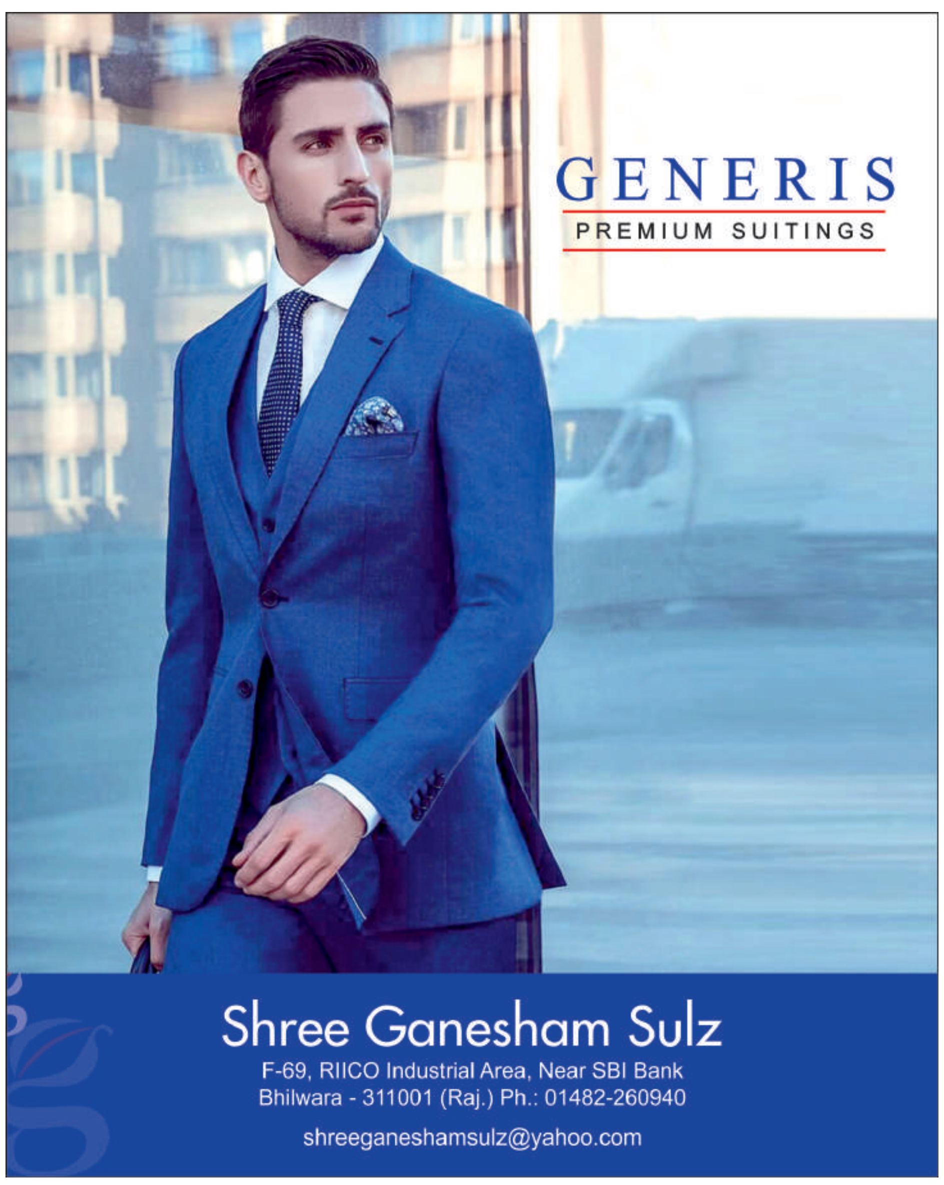

सोलापुर गारमेण्ट हब होने के मार्ग पर

कोल्हापुर/ राहुल खाड़े

टेक्सटाइल, मेडिकल हब के तौर पर प्रसिद्ध होने वाला सोलापुर शहर अब गारमेंट हब होने के मार्ग पर है, जबकि सोलापुर के उद्यमियों ने गारमेंट पार्क शुरू करने का संकल्प किया है। उसके लिए 100 एकड़ जगह हासिल करने की कोशिश चल रही है। यदि गारमेंट पार्क हुआ, तो भविष्य में सोलापुर गारमेंट हब होगा और स्थानीय लोगों को रोजगार मुहैया होगा। सोलापुर की पहले पहचान पहले गिरण गाव के तौर पर थी। आगे आगे गिरण कम होने के बाद सोलापुर में पॉवरलूम-बीड़ी उद्योग बढ़ा। पॉवरलूम पर बनने वाले चद्दर-टोवेल के उत्पाद दुनिया में मशहूर हैं। देश के प्रमुख वस्त्रोद्योग केंद्रों में सोलापुर शामिल है। अब सोलापुर में 15 हजार पॉवरलूम हैं और एक लाख लोगों को रोजगार मिलता है। गए कुछ सालों में अच्छे उपचार की सुविधा होने के चलते सोलापुर की मेडिकल हब के तौर पर भी पहचान बन रही है। ऐसे में अब सोलापुर यह गारमेंट हब होने के रास्ते पर है। सोलापुर में रेडिमेड उद्योग बड़े पैमाने पर हैं। प्रमुख तौर पर स्कूल के गणवेश, छोटे बच्चों के कपड़ों का उत्पादन कई सालों से लिया जाता है। सोलापुर रेडिमेड कपड़ा संघ की मदद से मार्केटिंग करने की कोशिश हो रही है। आज तक यहां पर पांच अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। अब लगभग 100 एकड़ जगह हासिल कर उस पर गारमेंट पार्क शुरू करने की कोशिश चल रही है। इसके लिए पंजीकरण शुरू है, जिसमें 300 से जादा लोगों ने पंजीकरण कराया है। सोलापुर रेडिमेड कपड़ा उत्पादक संघ के 350 सभासद हैं। इसके साथ असगंठित क्षेत्र में होने वाले रेडिमेड उत्पादकों की संख्या बहुत है। अब के समय में सोलापुर में सात हजार पारंपरिक अत्याधुनिक प्रकार के सिलाई मशीन हैं। इस उद्योग के जरिए आठ हजार लोगों को रोजगार मिलता है। गारमेंट पार्क हुआ तो और लोगों को रोजगार मिलेगा। विधायक सुभाष देशमुख का बड़ा सहयोग गारमेंट उद्यमियों को मिल रहा है। केंद्र सरकार के अलग अलग खाते को लगने वाले वस्त्रों का काम सोलापुर को मिले, ऐसी कोशिश सांसद डॉ. जयसिद्धेश्वर महास्वामी कर रहे हैं। इसको प्रतिसाद देकर केंद्रीय संरक्षण मंत्री ने गए साल जीईएम पोर्टल पर सोलापुर के गारमेंट उद्यमियों को पंजीकरण करने का आह्वान किया था। उसके अनुसार 400 लोगों ने पंजीकरण कराया है। इसके चलते आने वाले समय में सोलापुर के गारमेंट उद्योग को शासकीय ऑर्डर मिल सकते हैं, जिसके चलते सोलापुर के कपड़ों की मांग बढ़ी तो गारमेंट उद्योग और भी बढ़ेगा। ऐसे में 100 एकड़ जगह मिली तो गारमेंट पार्क का निर्माण होगा। बड़ी बड़ी ऑर्डर मिलकर वैश्विक बाजार में भी सोलापुर के वस्त्रों को स्थान मिलेगा।

लगभग 25 प्रकार के वस्त्र निर्माण.. स्कूल के साथ और गणवेश, शर्ट-पैंट, छोटे बच्चों के कपड़े, गाऊन, टॉय, सनकोट, मास्क, महिला के ड्रेस, ड्रेसकोड के साथ अलग अलग 25 प्रकार के वस्त्र निर्माण सोलापुर में होते हैं। गारमेंट हब हुआ तो विदेशी बाजार पेठ मिलना भी संभव है।

Siyaram's
ROYALÈ LINEN™
premium linen fabric
Available at all leading retail outlets and Siyaram's Shops across the country. For trade/corporate enquiries, contact: 022-68330500. Toll-free No.: 1800 209 4005.
For franchise enquiries, contact: 09820197273. Email: enquiries@siyaram.com | www.siyaram.com Follow us on:

Canetti
ITALY
POWERED BY
CADINI
ITALY
Available at all the leading retail outlets across the country. For trade/ corporate enquiries, contact: 022-68330500.

सम्पादकीय....

देश में बढ़ती नशे की लत

युवाओं में बढ़ती नशे की लत को लेकर लंबे समय से चिंता जताई जाती रही है। इसे रोकने के लिए कड़े कानून हैं, मादक पदार्थ निरोधक दस्ते सक्रिय देखे जाते हैं, इसके बावजूद न तो इनकी उपलब्धता में कमी आ पा रही है और न इनका सेवन करने वालों की संख्या में। एक ताजा अध्ययन में चिंता व्यक्त की गई है कि अगले एक दशक में दस से सत्रह साल की उम्र के किशोर बुरी तरह नशे की गिरफ्त में आ सकते हैं।

मानसिक सेहत से जुड़े मुद्दों, कामकाज का दबाव, बढ़ता खालीपन और बदलती सामाजिक आर्थिक स्थितियों का इस वर्ग पर सबसे अधिक प्रभाव पड़ता है, इसके चलते वे नशे की गिरफ्त में आसानी से आ जाते हैं। एक अध्ययन के मुताबिक नशे की बढ़ती लत का दायरा ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बढ़ेगा। भारत चूंकि सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है, इसलिए यह अध्ययन अधिक चिंता पैदा करने वाला है।

इस पर काबू पाने के लिए अध्ययनकर्ताओं ने कुछ उपाय सुझाए हैं, जिनमें अभिभावकों, सामाजिक संस्थाओं की जिम्मेदारी रेखांकित की गई है, मगर जिस तरह नशीले पदार्थों का कारोबार तेजी से फैल रहा है, उसमें ये संस्थाएं प्रायः अशक्त ही नजर आती हैं।

यह सच्चाई है कि किशोरावस्था में बहुत सारे लोग फिल्मी नायकों, अपने वरिष्ठों, परिवार के लोगों आदि को देख कर नशीले पदार्थों के प्रति आकर्षित होते हैं। फिर ऊब, खीझ, खालीपन, पढ़ाई-लिखाई, कामकाज के दबाव में इन पदार्थों का सेवन बढ़ाते जाते हैं, फिर वे इनके लती हो जाते हैं। अब तो महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक में अवैध मादक पदार्थों की उपलब्धता लगातार बढ़ती गई है।

यह छिपी बात नहीं है और नशीले पदार्थों की इतनी किस्में बाजार में सहज उपलब्ध हैं कि बहुत सारे किशोरों, युवाओं के लिए अब ये सामान्य उपभोग की वस्तु जान पड़ते हैं। अभिभावकों, अध्यापकों, रिश्तेदारों, परिचितों से छिप-छिपा कर ही ऐसे नशे का सेवन किया जाता है, इसलिए उनके लिए निगरानी रख पाना कठिन होता है।

बहुत सारे अभिभावकों को तो तब इसकी भनक मिलती है, जब उनके बच्चों में स्वास्थ्य संबंधी कोई गंभीर समस्या पैदा हो जाती है। तब तक उनकी लत पर अंकुश लगाने में काफी देर हो चुकी होती है, बहुत सारे किशोरों पर परामर्श वगैरह का भी असर नहीं हो पाता। वे आ' ामक हो जाते हैं और हर वक्त गुस्से से भरे रहने लगते हैं।

पिछले कुछ सालों में कई ऐसे मामले उजागर हो चुके हैं, जिनमें भारी मात्रा में मादक पदार्थों की खेप किसी बंदरगाह या दूसरे ठिकानों पर पकड़ी गई। उनके आधार पर अंदाजा लगाया जा सकता है कि मादक पदार्थों का कितना बड़ा कारोबार देश में फल-फूल रहा है, मगर जब भी ऐसे पदार्थों की खरीद-बिक्री पर रोक लगाने की बात होती है, तो छिटपुट जलसों वगैरह में कुछ लोगों को इनका सेवन करते पकड़ कर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान ली जाती है।

इसके असली सूत्र पकड़ से बाहर ही रह जाते हैं। हैरानी की बात नहीं कि कुछ मौकों पर इस कारोबार में कई राजनीतिक रसूख वाले लोगों के नाम भी उजागर हो चुके हैं। ऐसे में सरकारी तंत्र से ही अपेक्षा की जाती है कि वह किशोरों और युवाओं में मादक पदार्थों की बढ़ती लत पर लगाम लगाने की दृढ़ इच्छाशक्ति दिखाए। जिस युवा पीढ़ी के बल पर देश के विकास का सपना संजोया जा रहा है, अगर वही नशे की गर्त में होगी, तो भला कैसे विकास होगा।

कुछ नया, कुछ अलग •

नया साल, नई उम्मीदें

श्री हरेश मेहता
प्रेसीडेन्ट-यश कॉटन कॉरपोरेशन
(प्रसिद्ध मार्केटिंग गुरू)

सहारा... हमारे - तुम्हारे जीने का आसरा -हरेश महेता

मैं हर बार अपने अनुभव से कुछ ना कुछ बातें चुनकर आपके साथ साझा करता हूँ। मैंने इस बार कुछ नया महसूस किया है, और मुझे एक यह ताजा और निजी अनुभव मिला है, तो मैंने सोचा कि चलो, इसे आपके साथ बांटा जाए। हमारे बच्चे जब बड़े होने लगते हैं, अपना खुद का काम या हमारा बिजनेस संभाल लेते हैं या फिर अपने केरियर में आगे बढ़ने लगते हैं और हम उसके प्रत्यक्ष साक्षी रहते हैं। उसके बाद हम अपने आपको बुजुर्ग महसूस करने लगते हैं और आप उन पर निर्भर हो जाते हो।दूसरा एक अनुभव है कि अगर आप कहीं प्रवास करते हो तो आपकी ट्रिप के दौरान आपके साथ कोई आपसे थोड़ा युवा व्यक्ति साथ हो या फिर प्रतिदिन के व्यवहार में, अपने कामकाज में आपके साथ कोई स्फूर्तिला नव युवा हो तो फिर आप काफी हद तक निष्क्रिय हो जाते हो या अपने आप को निष्क्रिय कर लेते हो। एक-दो प्रयत्न करने के बाद आपसे पानी की बोतल की कैप नहीं खुल रही है, तो आप उसे आपके साथ रहे व्यक्ति को खोलने के लिए दे देते हैं, लेकिन आपके साथ अगर कोई नहीं होता है तो आप दो या तीन प्रयत्न में उसको खोल लेते हो और पानी पी लेते हो। इसका अर्थ यह होता है कि आपके पास यदि कोई सहारा है तो आप थोड़े कम प्रयत्नशील हो जाते हो और दूसरों पर सहारा करना शुरू कर देते हो।

हम हिंदी गाना सुना करते हैं - **मुझे जो तुम्हारा सहारा ना मिलता,**
भंवर में ही रहते किनारा ना मिलता!

इंसान को सहारे की जरूरत होना और सहारे की आदत लगना दोनों अलग अलग बातें हैं। सहारे दो तरह के होते हैं। एक भीतरी सहारा, जो कि अपनी आत्मा और मनोबल को सहारा देता है और एक बाहरी सहारा, जो कि बाहरी रूप से हमें हिम्मत देता है कि हम आपके साथ हैं, तो आप निश्चिंत हो जाते हो। किसी भी काम में, या किसी भी परेशानी में यह दोनों सहारे हमारी मानसिकता को अलग-अलग रूप से बयां करते हैं।

एक ऐसी भी बात बनती है कि हमारे आसपास बहुत ज्यादा लोग होते हैं, तब हम ऐसा महसूस करते हैं कि हमको अकेले में थोड़ा डर लगता है या हम अकेले नहीं रह सकते हैं, लेकिन जब हमारे पास कोई नहीं होता है, हमें थोड़े दिन अकेले रहना पड़ता है, तो हम कैसे भी करके रह लेते हैं और हमारे डर को काबू भी कर लेते हैं। यह सहारा देना या लेना अच्छी बात है या बुरी बात मैं इसके नापतोल में नहीं जाऊँगा, लेकिन जीवन के एक अरसे के बाद ज्यादातर इंसान का स्वभाव ऐसा हो जाता है। हम अलग-अलग क्षेत्र में भले ही काम करते हों, अलग-अलग लोगों के साथ जुड़े होते हैं, अलग-अलग लोगों से मिलते हैं, अपना व्यापार करते हैं, अपने परिवार में रहते हैं और इस सारे समूह के अनुभवों को मिलाकर एक बात तो कहना चाहूंगा कि इंसान चाहे कितना भी बड़ा हो, शक्तिशाली हो लेकिन कोई एक समय उसे दूसरे के सहारे की जरूरत पड़ती ही है। अगर सहारे से कुछ अच्छा हो तो सहारा लेना चाहिए, सहारा ढूंढना चाहिए। रामलाल वर्मा हिंदी की एक गजल के साथ आज की बात को अल्पविराम दूंगा।

मोहब्बत का इशारा ढूँढता हूँ
मैं जीने का सहारा ढूँढता हूँ।
वो बेकस हूँ कि हर इक मौज-ए-ग़म में
मसर्रत का किनारा ढूँढता हूँ।
सियह-बख़्ती के साए हैं मगर मैं
मुक़द्दर का सहारा ढूँढता हूँ।
मिरे हाथों से छू कर उड़ गया जो
वही दामन तुम्हारा ढूँढता हूँ।
हसीं तारों मिरे दिल में न झाँको
मैं अपना माहे-पारा ढूँडता हूँ।
ज़रा ए चश्म रोक अपने ये आँसू
मैं ज़ब्त-ए-ग़म का यारा ढूँडता हूँ।
मेरी गिनती ही क्या है महफिल में तेरी
कि मैं अपना शुमारा ढूँढता हूँ।

Email: harresh.mehta@yashcotton.com | Mobile +91 82916-71111

कानपुर कपड़ा कमेटी की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण

कम्पनी एक्ट में पंजीकृत होने वाली शहर की पहली संस्था

श्री विश्वनाथ गुप्ता (बिस्सू बाबू)
अध्यक्ष, कपड़ा कमेटी

श्री दीपक कुमार गुप्ता
प्रधान सचिव, कपड़ा कमेटी

कानपुर/ स्थानीय शहर की पहली व्यापारिक संस्था को 100 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। गौरतलब है कि सन् 1923 में मात्र 32 कारोबारियों ने मिल कर कमेटी की नींव रखी, जो आज 1700 सदस्यों के साथ सफलतम रूप में अनवरत गतिशील है। कानपुर कपड़ा कमेटी केवल व्यापारिक संगठन ही नहीं बल्कि 50 हजार से अधिक लोगों को रोजगार भी दे रही है। कपड़ा कमेटी में प्रत्येक दो वर्ष के लिये चुनाव करवाकर अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी के निष्पक्ष चुनाव होते हैं। हालांकि पूर्व में निर्विरोध भी पदाधिकारी बनाएं जाते थे, लेकिन समय के साथ गुटबाजी भी हावी होती गई और चुनावी प्रतिस्पर्धा होने लगी।

कानपुर एक समय में कपड़ा मिलों में ऊपरी पायदान पर था, जहां से सूती कपड़े देश दुनिया में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते थे, जो आज न के बराबर हो चुकी है।

कानपुर थोक कपड़ा बाजार जनरलगंज, कहुकोठी, नोघड़ा बजाजा रेशम गली एवं घुमनी बाजार इत्यादि में केन्द्रित है, जहां देश की तमाम वस्त्र उत्पादक मण्डियों का कपड़ा प्रत्येक सेक्टर में बिकता है। शहर के प्रमुख रिटेल बाजारों में गोविन्दनगर, नवीन मार्केट, बांसमण्डी इत्यादि में प्रमुख रूप से केन्द्रित है। कानपुर कपड़ा मण्डी से व्यापार, यूपी राज्य के अलावा पड़ोसी राज्यों की सीमावर्ती शहरों, बिहार, बंगाल एवं नेपाल तक हो रहा है। कानपुर कपड़ा कमेटी व्यापार के अलावा सोशियल वेलफेयर में कई सेवाओं में भी योगदान देती है।

- **25 जून को शताब्दी वर्ष पर कमेटी द्वारा भव्य कार्यक्रम प्रस्तावित**
- **शहर की पहली संस्था जो कम्पनी एक्ट में हुई थी पंजीकृत**
- **मात्र 32 कारोबारियों ने मिलकर शुरूआत की**
- **वर्तमान में 1700 सदस्यों के साथ पंजीकृत**
- **प्रती दो वर्ष में होते है चुनाव**
- **120 दुकाने थी तब शुरूआत, वर्तमान में 2000 के लगभग**

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के साथ कपड़ा कमेटी के पदाधिकारी। (फाइल फोटो)

कमेटी के सौ साल पूरे हो गये हैं, यह बहुत गौरव की बात है। पंजीकरण के बाद से संस्था ने व्यापारियों के हितों के लिये कार्य किया है। मुझे भी सौभाग्य प्राप्त हुआ कि मुझे कमेटी में 50 वर्ष पूरे हो गये हैं। कमेटी की स्वर्ण जयंती में शामिल रहा। आज बड़ा मुकाम हासिल है, लेकिन मेहनत की जरूरत है। आपस में मतभेद तो हुए, पर मनभेद नहीं हुए।
- सत्यनारायण सिंहानिया, पूर्व अध्यक्ष

कानपुर कपड़ा कमेटी की स्थापना 1923 में हुई थी। उस समय कमेटी में 50-60 सदस्य होते थे। उस समय बिकवाल श्रेणी, खरीददार श्रेणी, आढ़त श्रेणी, दलाल श्रेणी और दर्जी श्रेणी से कपड़ा कमेटी की शुरुआत हुई थी। आज कमेटी का वृहद स्वरूप हो गया है। कानपुर का कपड़ा व्यवसाय उत्तर भारत का मेनचेस्टर कहा जाने लगा है।
- श्रीकृष्ण गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष

Yarn Rate+GST
यार्न रेट्स 05 मई, 2023

C.T.M.
PH. 247511, 247512, 94141-12130

2/30 NTBL	237
2/18 Dyed	198
2/40 Dyed	282
2/30 Frosted	235
2/30 Dyed Slub	237
2/30 School Dress Clourer	237

R.T.M
PH. 24766, 9829046404

2/30 Dyed Ntbl	238
2/40 Dyed	283
2/30 Frosted	236

Birla Tex Mills

2/18 Dyed	194

SRM Spinners
Mob. 8078660873

2/18 PV Diamond	179
2/18 PV Navy 85:15	194
2/18 PV Black 70:30	184
2/18 R Navy 70:30	207
1/15 Poly Black	134
20 PV Black	173
15 PV Black	172
2/18 S Navy 85:15	202

GRASIM INDUSTRIES LTD.
PH. 247324, 93521-45544

2/30 NTBL	230
2/40 Dyed	270
2/50 Dyed	335

PANIPAT YARN
Mob: 9416031498

TEXTURISE	
150 Roto Grey	108-133
150 Roto Black	103-145
150 Roto Bright	116-137
150/250 Grey	118-137
150/250 Dyed	140-165
150 Fdy	120
P.V. Yarn	
2/20 Grey CL	132
2/40 POLY	185
2/15 Poly Grey	125
2/20 Poly CL	-----
20 Poly CL	121
Cotton Yarn	
4 CONE	54-93
6 CONE	76-135
10 CONE	90-170
2/4 CONE	86-137
2/6 CONE	80-153
2/8 CONE	87-152
2/10 CONE	102-214
2/20 CONE	196-250
2/30 CONE	283-362
2/40 CONE	272-343
STAPLE YARN	
10 CONE	200
15 CONE	203
20 CONE	213
2/15 CONE	214
2/40 CONE	270

VISAKA IND. LTD.
PH. 93514-27900

2/30 100% Polyester Gray	185
2/30 65/35 Black	245
2/30 65/35 Gray	210
2/40 65/35 Black	285
2/30 PV 65/35 Havy Dark Dyed	260

GORAKHPUR YARN PRAHALAD RAI & CO.
PH. 99358-27000

Ankur	
2/30 P/V	164
2/40 P/V	----
1/20 P/V	158
1/15 P/V	-----
Janvi	
1/15 Psy	125
RSWM	
2/40 PV	208
2/30 PV	187

Inclusive of 12 % GST

NEETA YARNS
Ph. 022-28335766, 093246-70428
(M) 98210-82022

Fancy Yarn Per Kg	
30/62 Alpine	210
2/60 PVT	280
2/60 Polyster	240
2/80 PC Combed	380
2/76 Polyster	290
2/60 P.V.	285

MODTEX TEXTURISERS
PH. 246496, 98292-50430

150/400 Cone Dyed	193+GST
150 HIM Cone Dyed	182+GST
300 HIM Cone Dyed	181+GST
450 ATY fancy Cone	------
300 Black B. Cone Dyed	....
240 Lighting 100% Cone Dyed	....

Kishangarh Yarn Bazar
PH. 98297-21313
JAGDISHKOTHIWAL
CON YARN (Per 5 K.G.)

16 Arihant Viscous	540
20 Patiyala ND	575
20 Patiyala Silver	191
20s Puja viscous	583
16s cottspin	532
20s Shri Mahadav	199
23 JS Viscous	575
20 VISCOUS	-----
16 Tile	532
20 OM Thread	563
20 JS	557
23 JS	620
10 ARI	97+GST

GST Paid

Raghav Group
M. 94141-11402
Email: sheetal@raghavindia.com

Raghav Agency Trident Ltd.	
1/10 OE	208
1/14 OE	215
1/16 OE	220
1/20 OE	240
30 KW	290
30 CW	310
2/40 CW ELLY	310
30 CW COMPACT	---
40 CW COMPACT	370
60 CW COMPACT	---
50 CW COMPACT	415
Ankur Udyoug	
1/30 Polyester 100%	142+GST
1/20 Polyester 100%	132+GST
1/15 Polyester 100%	127+GST
Sidhartha Super Spinning Mills	
2/15 P/V Dyed OG	235+GST
2/18 P/V Black	192+GST
2/30 P/V Black	260+GST
LNJ DENIM	
6 OE	203
7 OE	205
8 OE	---
9 OE	---
10 OE	210
10 Lycra	285
16 Lycra	---
10 Slub Lycra	315
16 Slub Lycra	-----
SRM SPINNERS LIMITED	
2/30 P/V Black	230+GST
2/18 P/V Black	210+GST

Ratan Barjatiya Yarn Spinners P. Ltd.
PH. 94141 13144

Pv yarn	
2/40 pv	200
2/30 pv	174
2/24 pv	168
2/20 pv	164
2/18 pv	161
2/15 pv	156
1/15 pv	148
POLY YARN	
2/40 poly	175
2/30 poly	154
2/24 poly	149
2/20 poly	145
1/15 poly	127
Pv Black 80:20 Blend	
2/40 pv black	215
2/30 pv black	184
2/18 pv black	165
30 pv black.	166
18 pv black.	146
15 pv black.	142
100% poly black yarn	
2/30 poly Black.	158
2/18 poly black.	130
2/15 poly black.	128
18 poly black.	121
15 poly black.	120
PC yarn 65:35	
2/30 pc virgin	204 rs
2/30 pc recycled	193 rs

Less 1 rs cd +12% gst

*Prices for forward booking ,Delivery after 7 days from confirmation *

JAGDAMBA SPINNING YARN PRICES

POLYESTER ULTIMA YARN	
2/30 poly @	160
2/20 poly @	150
2/15 poly @	145
40 poly @	158
30 poly @	142
24 poly @	136
20 poly @	132
15 poly @	127
12 poly @	124
10 poly @	122
8 poly @	119
PV YARN PRICES (70:30)	
2/30 pv @	180
2/20 pv @	170
2/15 pv @	165
40 pv @	179
30 pv @	163
24 pv @	157
20 pv @	153
18 pv @	151
15 pv @	148
10 pv @	143
MAGIC YARN	
2/47 PV Magic	202
2/32 PVT	156
2/32.PT.	146
2/47 Poly Magic	173
2/45 POLY MAGIC	168

HIND SYNTEX LTD.
PH. 247916, 94141-15916

2/15 Gray Blanded	162+GST
2/30 PV	175+GST
15S PV	137+GST
2/24 PV	170+GST
2/30 Polyester TFO	155+GST
2/20 Polyester TFO	152+GST

टेक्सटाइल वर्ल्ड
समाचार पत्र प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें।
PHONE 01482-237165 | MOBILE 9468835188
417, 4th FLOOR, COMMERCIAL MALL, GOVINDAM, OLD RTO ROAD, BHILWARA-311001, (RAJ.)
E-mail: textileworldtw@gmail.com
Web: www.textileworld.org

श्री माहेश्वरी हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर ने गांव खुईयाला में किया विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

जैसलमेर

श्री माहेश्वरी हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर, जैसलमेर के आयोजक श्री राणीदान नाहर व श्री कमल नाहर चैन्नई द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खुईयाला गांव में विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। ग्रामीणों की सुविधा हेतु खुईयाला गांव में माहेश्वरी होस्पिटल की चिकित्सा टीम ने गांव में पहुंच कर उपस्थित 187 मरीजों का पंजीयन कर निःशुल्क जांच कर निःशुल्क दवाईयां वितरण की गई। शूगर के 44 मरीजों की जांच की गई। सरकार द्वारा चलाई जा रही चिंरजीवी योजना में शत् प्रतिशत पंजीयन कराने एवं माहेश्वरी होस्पिटल द्वारा चिंरजीवी योजना में निःशुल्क चिकित्सा सुविधा की जानकारी दी गई। इसमें डॉ. इन्द्रा वी शर्मा-वरिष्ठ फिजिशियन, डॉ. के एस सोढा-शिशु व बाल रोग विशेषज्ञ, डॉ. बी एल शर्मा आर एम ओ, श्री गुलाब सिंह राजपुरोहित सहायक मय एम्बुलेंस सेवा स्टाफ ने सहभागिता निभाई। गौरतलब है कि श्री रानीदान नाहर एवं श्री कमल नाहर के चैन्नई में कपड़ा व्यापार संचालित है जहां होलसेल रिटेल एवं रेडीमेड सेक्टर में रिटेल शोरूम संचालित है जो शहर के जाने माने प्रतिष्ठानों में शुमार होते है।

बाजार में लगन सावा बिक्री की हलचल

मुजफ्फरनगर/ अजय कुमार सिंघल

मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, मेरठ सहित पश्चिमी उत्तरप्रदेश की अधिकांश वस्त्र मण्डियों में मई माह में लगन साया मुहूर्त व निकाह होने से काम काज जोरदारी से चल पड़े हैं, साड़ी, लेडीज सूट, ड्रेस, पैंट शर्ट, हैंडलूम, रेडीमेड गारमेण्ट प्रत्येक सैगमेंट में अच्छा काम काज निकलना शुरू हो गया है, यद्यपि मध्यमवर्गीय रिटेलर अभी भी धन की आवाजाही से जूझ रहा है तथा आशानुरूप पेमेंट थोक व्यापारियों को नहीं कर पा रहा है। उधर काम काज निकलते ही मौसम भी मई के प्रथम सप्ताह में अप्रत्याशित रूप से गड़बड़ा गया है, किन्तु कुल मिलाकर कामकाज अच्छी स्थिति में कहे जा सकते हैं।

मुजफ्फरनगर के प्रतिष्ठित व्यापारी सर्व श्री इन्द्र सुनेजा, अजीत दीक्षित, विनोद डाबर, हितेश डाबर, संजीव गोयल, रमन जलोत्रा, मनोहर लाल, राकेश झांब, अशोक छाबड़ा, अज्जू मदान, अमित सिंघल, राजीव सिंघल, ब्रोकर घनश्याम पालीवाल, पवन बत्रा, के पी त्यागी, सुदर्शन खरबंदा, वैभव खन्ना, अमृत चौधरी, लक्ष्मण रस्तौगी के अनुसार बाजार में बेहतर काम काज हैं, अप्रैल माह का रिकॉर्ड तोड़ जीएसटी कलेक्शन इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है।

सदस्यता फॉर्म
SINCE 1998
टेक्सटाइल वर्ल्ड
वस्त्र उद्योग जगत का सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र

AXIS BANK
Textile World
Axis bank, Bhilwara
A/c no. 911020040072253
Ifs code - UTIB0000241

कोरियर द्वारा पांच वर्ष की सदस्यता पर ऑल इण्डिया टेक्सटाइल डायरेक्ट्री फ्री

नोट - ऑफर सीमित समय के लिये

वर्ष	ऑफर	प्रतियां	कोरियर द्वारा
☐ 1 वर्ष	---------	24	रू. 500
☐ 2 वर्ष	+1 वर्ष की सदस्यता फ्री	72	रू. 1000
☐ 5 वर्ष	ऑल इण्डिया टेक्सटाइल डायरेक्ट्री फ्री	120	रू. 2500

हाँ, मैं 'टेक्सटाइल वर्ल्ड' समाचार पत्र की सदस्यता प्राप्त करना चाहता हूँ:-
☐ एक वर्ष ☐ तीन वर्ष ☐ पांच वर्ष

नाम एवं पद ....
कम्पनी/फर्म का नाम : ....
पता : ....
..............................पिन कोड नं. ....
मोबाइल नं. ....फोन नं. ....
सदस्यता हेतु चैक/ड्राफ्ट नं. .... दिनांक .... रु. .... 'टेक्सटाइल वर्ल्ड' के नाम से प्रेषित है।

विशेष- यदि आप पत्रकार के रूप में आपके यहां के टेक्सटाइल मार्केट की न्यूज भी हमें भेजना चाहते हैं तो कृपया 9468835188 पर whatsapp सम्पर्क कर अपना रजिस्ट्रेशन अवश्य करालें।

417, 4th FLOOR, COMMERCIAL MALL, GOVINDAM, OLD RTO ROAD, BHILWARA-311001
Tel: 01482-237165 | E-mail: textileworldtw@gmail.com | Web: www.textileworld.org

भूल ना जाना ०२०

RISHAB WORLD

सेफुद्दीन किचलू

(१८८३ - १९६३)

सदभाव के लिए राष्ट्रीयता के समर्पण लिए जाने जाते हैं।

सेफुद्दीन किचलू को बहुत कम याद किया जाता है । जिन्होंने इस्लामिया हाई स्कूल से मैट्रिक, कैम्ब्रिज युनिवर्सिटी से स्नातक और जर्मन युनिवर्सिटी से पी. एच. डी. डिग्री प्राप्त की।

हालांकि वे जामिया मिलिया इस्लामिया के संस्थापकों में से एक थे, किन्तु उन्होंने मुस्लिम लीग द्वारा की गई देश विभाजन की मांग का मजबूती के साथ विरोध किया । उन्हें पंजाब में रॉलेट एक्ट के कठोर विरोध के लिए याद किया जाता है, जिसके कारण **जलियांवाला बाग हत्याकांड** हुआ।

स्वतंत्रता के पश्चात् सन् 1951 में उन्हें **जलियांवाला बाग नेशनल मेमोरियल ट्रस्ट** का आजीवन ट्रस्टी नियुक्त किया गया ।

बाद में वे राजनीति से जुड़ गए और सोवियत संघ से राजनीतिक सम्बंध स्थापित किया। उन्हें 'स्टालिन पीस प्राइज' से सम्मानित किया गया ।

उनकी स्मृति में भारतीय डाक व तार विभाग द्वारा सन् 1989 में डाक टिकट जारी किया गया।

मौसम के बदलाव से उत्पादन प्रभावित

बालोतरा/ लालचन्द पुनीत

मौसम ने ऋतु चक्र को ही बदल दिया लगता है। कभी बरसात, कभी आंधी, कभी गर्मी और कभी शीतल सुहावनी पवन का आनंद का मिलाजुला वातावरण ने औद्योगिक उत्पादन को अस्त-व्यस्त कर दिया। यकायक बादल छा जाए और बरसात हो जाने का पता ही नहीं चलता। इस प्रकार के मौसम में माल जिस किसी स्टेज पर होता है, माल के खराब क्षतिग्रस्त होने की संभावनाएं बढ़ जाती है। माना कि अभी पोपलीन की ग्राहकी अच्छी है, परंतु चालानी में अनेक प्रकार की सुविधाओं से गुजरना पड़ता है।

सर्वप्रथम तो माल के तैयार होने में विलंब हो रहा है। स्टॉक में माल है पर रंगबेजी में कमी के कारण माल को डिस्पैच करने के पूर्व दिशा वरी व्यापारी को स्थानीय स्थिति से वाकिफ करना निहायत जरूरी हो गया है। व्यापारी रंगबेजी के अनुसार ही माल चाहता है। अतः उसे समझना पड़ता है कि इन रंगों में ही माल आ सकेगा, अन्यथा आपको कुछ दिनों तक इंतजार ही करना पड़ेगा। इस प्रकार व्यापारी की सहमति या असहमति के अनुसार ही माल डिस्पैच के हालात बन गए हैं। इन दिनों श्रमिकों की समस्या भी कम नहीं है। गांठ बांधने, वार लगाने व माल को ढ़ोने वालों की कमी के चलते छोटे उत्पादकों को बहुत परेशानियों से रूबरू होना पड़ता है।

बाजार कुछ इस कदर हो गया है कि रकम की आवक असंतोषजनक बन गई। रकम के न आने से होने वाली दिक्कतों को समझा जा सकता है, इस कारण उत्पादकों को मंदी आने का भय सताने लगा है। परि-स्थतियों में सामंजस्य न बैठने से मंदड़ियों का पाया भारी होता जा रहा है। हालांकि अनुभवी उत्पादकों का कहना है कि तेजी का दौर आए बिना नहीं रहेगा। यह सही है कि स्थिर बाजार में किसी को तकलीफ नहीं रहती, चाहे वह उत्पादक हो या व्यापारी। कुछ भी तेजी मंदी के इस भंवर जाल में उत्पादन व चालानी जरूर प्रभावित होती हैं। रंग बदलते मौसम में के मिजाज ने सभी को हतप्रभ जरूर कर दिया है।

पहले जो उत्पादक केवल एक ही क्वालिटी बनाते थे, अब वे अन्य क्वालिटीज को बनाने की ओर प्रवृत हो गए हैं। इससे उन्हें काम का सहारा मिल गया है। एक क्वालिटी ना चली तो दूसरी से भरपाई हो जाती है। भावों में भले ही रस्साकशी चलती है, परंतु पोपलीन की लेवाली में दम है। पेटीकोट, नाईटी, लिजीबिजी, क्रेप, रेयॉन के साथ पोकेटिंग की लेवाली भी ठीक बताई जा रही है। रोटो का माल अच्छी तादाद में चालानी पर है। इतना सब कुछ होने पर भी जो ग्राहकी का ग्राफ बढ़ना चाहिए था, उसका अभाव है।

सूती वस्त्रों में पोपलीन, प्रिंट नाईटी आदि के महंगे हो जाने से कतिपय उत्पादक इसके विकल्प के लिए प्रय|शील हैं। नये उत्पाद गुणवत्ता के साथ निर्मित हुए तो एक नया सूत्रपात हो जाएगा, जो इस क्षैत्र के औद्योगिक विकास का प्रमुख बिंदु रहेगा। इस बात में भी दम कम नहीं है कि रिफाइनरी से संबद्ध लगने वाले औद्योगिक प्रतिष्ठानों से यह क्षैत्र औद्योगिक दृष्टि से विशेष महत्व का बने बिना नहीं रहेगा और कभी मूल रूप से पिछड़ा गिना जाने वाला यह भूभाग समृद्धि की इबारत लिखने की पहल करने का सौभाग्य प्राप्त करेगा।

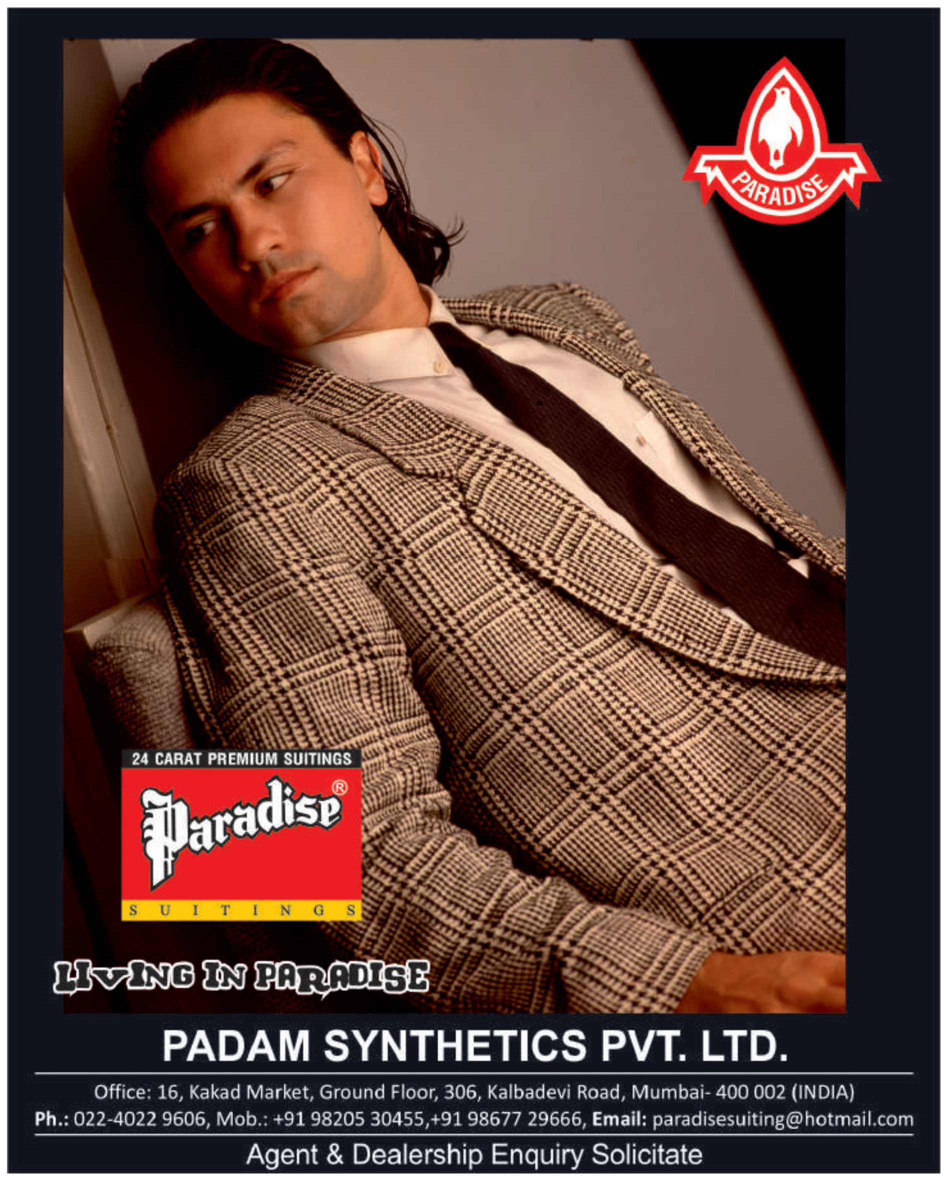

बीएसएल ने लॉन्च किया प्रीमियम शर्टिंग ब्रांड "salve"

भीलवाड़ा/ वस्त्र उद्योग जगत में प्रतिष्ठित बीएसएल लिमिटेड द्वारा अपने कार्य योजना में विस्तार करते हुए हाल ही में प्रीमियम शर्टिंग ब्रांड 'salve' लॉन्च किया गया है। यह जानकारी देते हुए कंपनी के बिजनेस हेड श्री राकेश त्रिवेदी ने बताया कि इस ब्रांड के अंतर्गत कंपनी प्रीमियम शर्टिंग, पीस पैकिंग, लिनन, कॉटन, पीसी, पीवी, शत प्रतिशत पोलिएस्टर, प्रिंट एवं प्लेन क्वालिटी के साथ-साथ कुर्ता पायजामा की आकर्षक रेंज प्रस्तुत की जाएगी।

उन्होंने कहा कि इस ब्राण्ड के अंतर्गत मास मार्केट को लक्ष्य बनाया जाएगा और भीड़ से अपर सेगमेंट में सप्लाई पर फोकस रहेगा। उन्होंने यह भी बताया कि मुख्य रूप से इस ब्रांड की ऑल इंडिया मार्केटिंग के लिए "सालवी टेक्सफैब (इंडिया)" को सुपर डिस्ट्रीब्यूटर बनाया गया है।

गारमेण्ट खरीदी में बदला ग्राहकों का रूझान

छोटी दुकानों एवं छोटे रिटेलर्स की बिक्री घटी

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डेय

इस समय गारमेंट में कारोबार घट गया है। निर्यात मांग बहुत ही कमजोर रही है। अब एंड ऑफ सीजन की सेल शुरू होने वाली है। यह सेल जून एवं जुलाई में हो सकती है। छोटे रिटेलर्स ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए अघोषित डिस्काउंट दे रहे हैं, लेकिन डिस्काउंट की दर कम होने से ग्राहकों को रुझान खरीदी से दूर है। गारमेण्ट की बिक्री मार्च महिने से कम हो गई है, यद्यपि जनवरी एवं फरवरी में गारमेंट में कारोबार अपेक्षाकृत अच्छा रहा है। रिटेल गारमेंट में कमजोर रुझान का एक और महत्पवूर्ण कारण है यह है कि इस बार अधिक मास होने के कारण दशहरा एवं दीपावली जैसे त्यौहारों की मांग देर से अर्थात् अगस्त के अंत से शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। इस बीच 4 मई के बाद से वैवाहिक सीजन के साथ ही समर की मांग जोर पकड़ सकती है। इस मांग पर कारोबारियों की निगाहें लगी हुई है। गारमेंण्ट की खरीदी करने में ग्राहकों में एक बड़ा बदलाव आने से भी छोटी दुकानों एवं छोटे रिटेलर्स की बिक्री पर असर पड़ा है। अधिकतर लोगों का कहना है कि लोगों का रुझान अब मॉल एवं बड़े स्टोरों की ओर अधिक हो गया है। लॉकडाउन के बाद से गारमेण्ट में इस तरह की प्रवृत्ति बढ़ी, जो अब सामान्य हो चुकी है। पिछले दो वर्ष में कॉटन यार्न के भाव में करीब 50 प्रतिशत की वृद्धि के बाद कपड़ों के साथ गारमेंट के भाव में भी 15 से 20 प्रतिशत की हुई वृद्धि के कारण 2022-23 में भारत के एपेरल का विकास 15 प्रतिशत तक सीमित रहा है। ब्राण्डेड एपेरल मार्केट का हिस्सा पांच वर्ष पहले जो 25 प्रतिशत था, वह बढ़कर 30 प्रतिशत हो गया है। उद्योग से जुड़े लोगों का कहना है कि भारत में आठ लाख करोड़ रु के एपेरल रिटेल क्षेत्र में जीडीपी विकास के हिसाब से ग्रोथ हुई है। इतना ही नहीं, ऐपरल में विकास का यह ट्रेंड आगामी दशक में भी बना रहने का अनुमान है, फिर भी संगठित क्षेत्र की विकास दर 18 प्रतिशत रही है। फैशन एवं लाइफस्टाइल बिजनेस बड़ी तेजी से बढ़ रहा है, परंतु एपेरल क्षेत्र में ई-कामर्स का हिस्सा सबसे अधिक है। एक स्टडी के अनुसार ब्रांड के साथ रिटेलर की भूमिका निभाने वाले ब्रांड एवं इकाइयों की ऑनलाइन बिक्री बढ़ रही है। मजबूत ब्रांड कंपनियां ई-कामर्स का अधिक से अधिक सहयोग ले रही है। द क्लोदिंग मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के तत्वाधान में तीसरा फेब शो का आयोजन 26 से 28 अप्रैल के बीच किया गया। सीएमएआई 20 हजार से अधिक एपेरल उत्पादकों एवं रिटेलरों का प्रतिनिधित्व करता है। इसे काम करते हुए 60 वर्ष हो गए हैं, इस निमित्त नये लोगो का अनावरण किया गया। सीएमएआई के मुख्य मेंटर एवं पूर्व अध्यक्ष श्री राहुल मेहता का कहना है कि भारत के एपरल मार्केट बढ़ा है, लेकिन बिक्री एवं वोल्यूम में करीब तीन प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। कोरोना महामारी में पिछले दो वर्ष गारमेंट के लिए बहुत खराब रहे थे। इसका बाजार पर बुरा असर देखा गया, लेकिन उसके बाद कपड़ों तथा गारमेंट की मांग बढ़ी है तथा बाजार अब सकारात्मक होने लगा है।

बांग्लादेशी गारमेण्ट निर्माता तस्करी के गारमेंट से परेशान

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

जहां एक ओर भारतीय गारमेंट निर्माता बांग्लादेश से रेडीमेड गारमेंट के बढ़ते आयात से अपने आपको परेशानी में अनुभव करते हैं, वहीं बांग्लादेश के निर्माता भारत और चीन से तस्करी से लाए जा रहे परिधानों से परेशान हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ महिनों से व्यापार संधि के तहत बांग्लादेश से रेडीमेड गामरेंट का आयात बढ़ रहा है। बांग्लादेश के गारमेंट निर्माताओं का कहना है कि वहां के शॉपिंग सेंटरों और मॉल्स में भारत और पाकिस्तान से आयातित रेडीमेड गारमेंट बेच रहे हैं और इससे उनका उत्पादन प्रभावित हो रहा है। जानकारों का कहना है कि बांग्लादेश में भारतीय और पाकिस्तान से आयातित गारमेंट, फैब्रिक आदि धड़ल्ले से बिक रहे हैं। बांग्लादेश के निर्माताओं का कहना है कि इनमें से अधिकांश आईटम या फैब्रिक तस्करी द्वारा लाकर बेचे जा रहे हैं और टैक्स की चोरी की जा रही है।

गारमेंट निर्माताओं का कहना है कि सस्ते आयात के कारण बांग्लादेश का फैशन गारमेंट उद्योग कठिनाई में आ रहा है। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश विश्व में रेडीमेड गारमेंट का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक देश है और इसका स्थान चीन के बाद आता है। बांग्लादेश के गारमेंट निर्माताओं का कहना है कि देश में आयातित गारमेंट बिकने के अनेक कारण हैं जिनमें प्रमुख है सरकार की नीति का सहयोग न होना, मंहगा आयातित फैब्रिक, स्थानीय फैशन गृहों में डिजाइन विकास की सुविधा का अभाव आदि प्रमुख हैं। जानकारों का कहना है कि कम वेतन के कारण भी बांग्लादेश में अच्छे बुनकारों की कमी है।

हालांकि बांग्लादेश के कुछ निर्माता भारत और चीन से अच्छी क्वालिटी का फैब्रिक आयात करके क्वालिटी के ब्रांड तैयार कर रहे हैं लेकिन दूरदर्शिता के अभाव के कारण वे विश्व श्रेणी के गारमेंट नहीं बना पा रहे हैं। बांग्लादेश के ब्राण्डेड गारमेंट निर्माताओं का कहना है कि यदि सरकार उन्हें फैशन में रिसर्च और डेवलपमेंट के लिए सहायता दे और कच्चे माल का आयात सस्ता हो तो वे भी विश्व श्रेणी के गारमेंट बना सकते हैं।

Postal Registration No BHILWARA/208/2021-2023 RNI Registration No. 71772/98

यार्न की खपत बढ़ने पर स्पिनिंग मिलों की स्थितियां होगी मजबूत

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डेय

कॉटन यार्न के भाव में एक तरह से स्थिरता आ गई है। मिलों में यार्न के उत्पादन को लेकर प्रोग्रामिंग पहले की तरह हो गई है। रुई के भाव में अधिक उछाल की संभावना नहीं है। इसलिए मिलों को कॉटन यार्न के उत्पादन को जारी रखने में कोई कठिनाई नहीं है। बाजार में कॉटन यार्न सहित अन्य प्रकार के यार्न की मांग कमजोर है। कहा जा रहा है कि पाइपलाइन खाली है, तथापि कपड़ों का उठाव नहीं बढ़ने के कारण लूमों एवं मिलों में कपड़ों का उत्पादन घटा है, लेकिन जब रुई के भाव बहुत अधिक थे और मिलों की यार्न की लागत भी ऊंची थी, ऐसे पिछले दो वर्ष में कॉटन यार्न के भाव 50 प्रतिशत की वृद्धि हो चुकी है और अब कॉटन यार्न के भाव उसी के इर्द-गिर्द चल रहे है।

यार्न बाजार में कारोबार मंदा है। यार्न की आपूर्ति स्थिति संतोषजनक बताई जा रही है। किसी भी यार्न में अभाव की कोई रिपोर्ट नहीं है। बाजार में हाल कॉटन यार्न हो अथवा पोलिएस्टर यार्न के साथ पीवी एवं पीसी की मांग में कोई तेजी नहीं है। भिवंडी, मालेगांव एवं इचलकरंजी जैसे ग्रे कपड़ा उत्पादन केंद्रों में लूमों पर ग्रे कपड़ों का उत्पादन घटने से कॉटन यार्न की मांग स्थिर जैसी हो गई है। रुई के भाव डेढ़ से दो हजार रु तक घटने बाद कॉटन यार्न पर दबाव बनना शुरू हो गया था, लेकिन अब रुई में फिर उतने का ही सुधार हो जाने के बाद मिलों की उत्पादन लागत पर कोई बड़ा अंतर आने की संभावना नहीं है। इसलिए आगे भी कॉटन यार्न के भाव स्थिर रहने का अनुमान है।

देश की स्पिनिंग उद्योग अब पूरी क्षमता के साथ यार्न के उत्पादन में लग गए हैं, लेकिन स्थानीय मांग में बहुत अधिक जोर नहीं होने के साथ निर्यात कारोबार स्थिर होने से स्पिनिंग इकाईयों की मार्जिन पर भारी दबाव बना हुआ है, तथापि पिछले वर्ष की तुलना में मिलों की स्थितियों में काफी सुधार देखा जा रहा है। मिलों की आय में इजाफा उतना नहीं हुआ है, जिसकी अपेक्षा मिलों की थी। फिर भी संतोषजनक स्थिति यह है कि इस दौरान रुई के भाव अधिक नहीं बढ़े हैं और बाजार में रुई की मांग एवं आपूर्ति के बीच संतुलन बना रहने सहित भाव उचित स्तर पर होने से मिलों को यार्न का उत्पादन करने में कोई दिक्कत नहीं है। यदि बाजार में यार्न की खपत बढ़ती है, तो स्थितियां मजबूत होंगी।

सूटिंग एवं शर्टिंग की मांग कमजोर

फैंसी शर्टिंग में थोड़ी बहुत हलचल, परंतु मिलों में प्रोग्राम कम

कपड़ों का उत्पादन बढ़ाने में वीवर्स को झिझक

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डेय

कपड़ा बाजार का रुख उल्टी दिशा की ओर मुड़ा हुआ लग रहा है। पूरे सीजन के दौरान कारोबार में निरंतरता का अभाव रहा और ग्राहकी हर स्तर पर उम्मीदों के विपरीत रही है, जबकि देश की अनेक देसावरी मंडियों में ग्राहकी निकलने की रिपोर्ट कारोबारियों को लगातार मिल रही है, लेकिन यहां के थोक एवं रिटेल बाजारों में अभी भी कारोबार गतिशील नहीं हुआ है। कपड़ा उत्पादकों एवं प्रोसेस हाउसों में जोरदार कामकाज होने के बदले में हल्का है। कॉटन यार्न के भाव में एक तरह से स्थिरता बनी हुई है, एकाध दो रु की तेजी अथवा मंदी को छोड़ दें, तो कॉटन यार्न में किसी बड़े उछाल की संभावना नहीं होने से कपड़ों का उत्पादन बढ़ाने की जगह वीवर्स में इसे लेकर झिझक है।

जानकारों का कहना है कि वीविंग इकाईयों एवं प्रोसेस हाउसों में आगे की सीजन को देखते हुए इन दिनों जैसा प्रोग्राम होना चाहिए, उसका पूरी तरह से अभाव है। पूर्व में कपड़ों का उत्पादन कम होने से न तो स्टॉकिस्टों के पास बहुत स्टॉक है और न ही मिलों एवं वीविंग इकाइयों में कपड़ों का उत्पादन बड़े स्तर पर हो रहा है, जबकि आगे कपड़ों की बिक्री के लिए वैवाहिक सीजन के साथ त्यौहारी सीजन की जोरदार ग्राहकी रहने का अनुमान है, तथापि इस तरह की नीरसता होने का प्रमुख कारण देश में कोरोना के बढ़ रहे मामलों के साथ त्यौहारी सीजन की ग्राहकी देरी से निकलने की संभावना बताई जा रही है। कपड़ा एवं गारमेंट में निर्यात कारोबार कमजोर होना भी एक कारण माना जा रहा है।

वैश्विक भौगालिक परिदृश्य भी नकारात्क असर डाल रहे हैं। एक साल से अधिक हो गया है, रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध जारी है, इस कारण अमेरिका और यूरोप के बाजारों में मंदी को बल मिला है। निर्यात मांग कमजोर हो गई। विदेशों में टेक्सटाइल मेन्यूफै• रिंग की क्षमता न्यूनतम स्तर पर है। इसमें जब तक सुधार नहीं होगा, तब तक देश से रुई के साथ कपड़ों का निर्यात कारोबार प्रभावित होता रहेगा। भारत से कपड़ों के निर्यात को एक और झटका लगने की संभावना जताई जा रही है। ऐसी रिपोर्ट है कि अमेरिका तथा यूरोपियन यूनियन सहित विकसित देश कार्बन-टैक्स लगाने पर विचार कर रहे हैं, ऐसा होने पर भारत के 40 प्रतिशत निर्यात पर इसके गंभीर प्रभाव होने की संभावना है।

समर के मालों में ग्राहकी जल्दी शुरू हो सकती है। 4 मई के बाद से कपड़ों में वैवाहिक सीजन की ग्राहकी शुरू हो जाएगी, स्कूल यूनिफॉर्म में पूछताछ शुरू है और इस महिने के अंत तक बाजारों में ग्राहकी शुरू हो सकती है। वैवाहिक सीजन की ग्राहकी शुरू होते ही, बाजारों का सेंटीमेंट बदलने लगेगा। कपड़ा बाजारों में इस बार सीजनल ग्राहकी टुकड़ों में चली है, जबकि त्योहारी ग्राहकी तो फेल ही रही। अब मई और जून दो महिने बहुत अधिक वैवाहिक मुहूर्त हैं और इस दौरान बड़े पैमाने पर शादियां तय हो चुकी है, इसलिए बहुत जल्द बाजार में एक बार फिर से रौनक लौटेगी। देसावरी मंडियों में कपड़ों में कारोबार बढ़ना शुरू होने से आगे सीजन के चलने की उम्मीद बढ़ गई है। सूटिंग और शर्टिंग में कारोबार मंदा है। सूटिंग में बिक्री कमजोर है। मिलों के माल में कुछ मिलों की सूटिंग में कारोबार उम्मीदों पर खरा है, वहीं शर्टिंग में काम तो हो रहा है, लेकिन जैसा इस दौरान होना चाहिए वैसा नहीं है। फैंसी शर्टिंग में उठाव अच्छा है,मिलों के पास प्रोग्राम कम है और भाव स्थिर हैं। इस बार अधिक मास होने के कारण दशहरा तथा दीपावली जैसे त्यौहारों की मांग देरी से निकलने वाली है। ऐसे में कपड़ों में स्थानीय मांग पर ही सभी का ध्यान है, इसलिए मिलों से लेकर प्रोसेस कपड़ों के व्यापारियों की कोशिश मई एवं जून तक कपड़ों में जितना हो सके अधिक ब्रिकी करने की है, ताकि पूर्व की कमजोर बिक्री की भरपाई वैवाहिक सीजन के इस दौर से पूरी कर ली जाए। वैवाहिक सीजन में कपड़ों की दो प्रमुख वेराइटी शेरवानी और सूट की मांग अधिक रहती है। सूट में सिर्फब्रांडेड मिलों के ही कपड़ों में कारोबार होता है,जबकि शेरवानी में आयातित कपड़ों की मांग अच्छी है। इसमें जेकार्ड, डॉबी और प्रिंट इत्यादि आने लगी है, जो देखने में आकर्षक है और लग्न में इनकी खपत अधिक है। आमतौर इस तरह के कपड़ों की आमद इंडोनेशिया, चीन और ताइवान से हो रही है। करीब 9 से 10 महिने पहले जब शेरवानी में जेकॉर्ड वेराइटी आई थी व इसका भाव बहुत अधिक था, लेकिन अब 44 से 48'' पना के इस वेराइटी का भाव घटकर प्रति मीटर 250 रु के आसपास हो गया है, वहीं इसी तरह की बनी स्वदेशी वेराइटी का भाव प्रति मीटर 180 रु के आसपास है।

ईद की ग्राहकी इस बार बाजारों में पूरी तरह से धोखा दे गई। न तो थोक बाजारों में अच्छा काम हो सका न ही रिटेल में कारोबार अनुकूल रहा। थोड़ा बहुत का सफेद कुर्ते में हुआ था। आयातित कपड़ों में कामकाज बहुत ठंडा रहा। अप्रैल

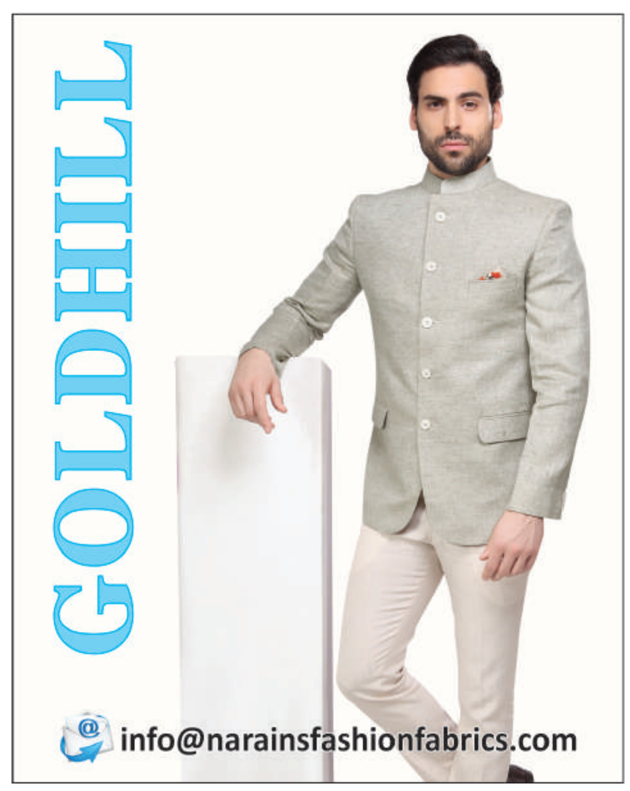

मध्य से इस तरह के कपड़ों का उठाव कम होने लगा और बाजारों में भरपूर माल उपलब्ध होने से ऐसे कपड़ों के भाव स्थिर रहे। सलोना सूटिंग 58'' पना का भाव 150 रु से नीचे उतर गया। कमोबेश इसी तरह का भाव ट्राउजर बनाने में इस्तेमाल होते चीन के हल्के कपड़ों का रहा है। टीआर फैंसी सूटिंग की रेज 225 से 450 रु तक है, लेकिन इसमें काम नहीं हो रहा है, परंतु ऊंचे रेंज की अरमानी में थोड़ा बहुत काम हो रहा है, जिससे सूट्स बनाए जाते हैं।

साड़ियों में कारोबार घटा है। गर्मी अधिक होने के कारण सूती साड़ियों में छिटपुट मांग है। इसमें प्रिंट और प्लेन दोनों की मांग रही है। सूरत की सभी किस्म की आर्ट सिल्क साड़ियों में ग्राहकी का कोई जोर नहीं है, लेकिन व्यापारियों को इसमें कारोबार सुधरने की उम्मीद है। ब्लाउज मटीरियल में रूबिया की मांग धीरे-धीरे बढ़नी शुरू हो गई है। मिलों की रूबिया में कारोबार जोर पकड़ने लगा है। रंगीन पापलीन और लाइनिंग में कमोबेश बाजार पहले की तुलना में सुधरने की आशा व्यापारियों को है। समर सीजन होने के कारण लोन, कैम्ब्रिक तथा खादी जैसे उत्पादों में मांग निकलने की धारणा मजबूत हो रही है। स्कूल यूनिफॉर्म कपड़ों में बढ़ रही पूछताछ से कारोबार को पंख लग सकता है।

स्वत्वाधिकारी एसएसएस मीडिया पब्लिकेशन्स (प्रा.) लि. की तरफ से मुद्रक एवं प्रकाशक योगेन्द्र शर्मा के लिए वी.के. प्रिण्टर्स, बी-36-ए, सुदर्शन पुरा, इण्डस्ट्रियल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित एवं सी-127, आर.के. कॉलोनी, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। **संपादक-योगेन्द्र शर्मा।**

7 से 21 मई, 2023
SINCE 1998
टेक्सटाइल वर्ल्ड Corporate

लाखों लोगों का भरोसा ही हमारी पहचान अमरटेक्स सदा आपके साथ

अध्यक्ष की ओर से

हम उपभोक्ता की सन्तुष्टि, हमारे व्यापारी और स्टॉक होल्डर्स के उच्चतम मूल्यों के लिए अपनी क्षमता व बेहतर तकनीक का अधिकतम उपयोग करते हैं। हमारा उद्देश्य बेहतर तरीके से उच्च मानदण्ड स्थापित करना है। हम अमरटेक्स को विश्वसनीय एवं अग्रणी पंक्ति में स्थापित करने हेतु निरन्तर कार्यरत हैं।

-श्री अरूण ग्रोवर
संस्थापक व सीएमडी, अमरटेक्स

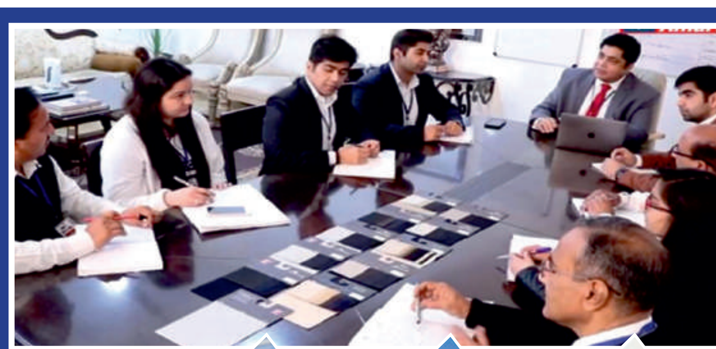

Amartex®
BRAND TRUSTED BY MILLIONS

Our Core Values
TRUTHFULNESS
TRANSPARENCY
TEAMWORK

हमारे कार्यकलाप

वीविंग यूनिट- कम्पनी के पास स्विस सल्जर लूम्स से सुसज्जित स्वयं का प्लाण्ट है, जो सूटिंग व शर्टिंग की विभिन्न क्वालिटियां निर्मित करने में सक्षम है तथा इस क्षैत्र में आने वाली कठिनाइयों से मुक्त है।

निटिंग यूनिट - कम्पनी विश्व की श्रेष्ठ मशीनों पर फैशन व उपभोक्ता की पसन्द के उत्पाद प्रतियोगी मूल्यों पर तैयार करने में सक्षम है।

डाइंग व प्रोसेसिंग यूनिट- कम्पनी के पास सभी साधनयुक्त यूनिट है, जो फाइबर व यार्न तथा पीस फैब्रिक डाई तथा पोली विस्कोस ब्लेण्डेड, शत् प्रतिशत पोलिएस्टर, पोलिएस्टर कॉटन और शत् प्रतिशत कॉटन को विभिन्न वैरायटीज में फिनिश करने में समर्थ है। इस यूनिट में बैक्टीरियल मुक्त व अन्य भी उपलब्ध हैं।

गारमेण्ट यूनिट- कम्पनी की नवीनतम गारमेण्ट यूनिट विश्वस्तरीय डिजाइनों में गारमेण्ट्स पुरूषों/ महिलाओं/ बच्चों के लिए विभिन्न स्तरों पर व्यवस्थित देखरेख के साथ उत्पादित करती है तथा क्वालिटीयुक्त व गुणवत्तायुक्त उत्पादन करती है।

डिजाइन स्टूडियो- कम्पनी का सर्व सुविधायुक्त व कम्प्यूटराइज्ड आधुनिक डिजाइन स्टूडियो है, जो देश की प्रमुख व बेहतरीन संस्थाओं से जुड़ा हुआ है। इससे हमारे डिजाइनर मांग के अनुरूप डिजाइनों का निर्माण करते हैं।

रिसर्च एण्ड डवलपमेण्ट- अल्ट्रा मॉडर्न आर एण्ड डी सुविधाएं अमरटेक्स के उत्पादों की आदर्श वेल्यु हैं। कंपनी की आर एण्ड डी टीम क्रिएटिविटी तकनीक, स्किल, अनुभव और व्यापार तकनीक सभी प्रकार की व्यापारिक मांग पूरा करती है।

सुपर मार्केट रिटेल चैन- कम्पनी के सम्पूर्ण उत्तरभारत में रिटेल स्टोर्स स्थापित हैं, जो वैल्यू फॉर मनी के उद्देश्य से युक्त हैं। अमरटेक्स उन चुनिन्दा स्टोर्स में शुमार है, जो सभी वर्गों के लिए वस्त्र उपलब्ध कराती है तथा सभी उत्पाद एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराती है। कम्पनी की आगामी 2 वर्षों में 100 रिटेल स्टोर्स खोलने की योजना है।

यूनिफॉर्म फैब्रिक- छात्रों व स्टाफ के लिए स्वर्ग : स्कूल, कॉरपोरेट्स, संस्थाएं के यूनिफॉर्म उन्हें एक ब्राण्ड इमेज प्रदत्त करती है। अमरटेक्स सबसे बड़ा यूनिफॉर्म निर्माता और सप्लायर है, जो बेहतरीन किस्म की क्वालिटी फैब्रिक सप्लाई करता है।

हमारा मिशन और लक्ष्य- हमारा मिशन वैश्विक स्तर के उत्पाद वाजिब मूल्य पर ग्राहकों उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराना है। हमारा लक्ष्य राष्ट्र निर्माण में हजारों युवकों को अपना चेनल पार्टनर बनाकर रोजगार उपलब्ध कराना है। हम अपने उपभोक्ता को अपने वादे के अनुसार समय पर डिलीवरी देने के लिए वचनबद्ध हैं।

आदर्श- हम अपनी जिम्मेदारियां ईमानदार और निष्ठा से निर्वहन करते हैं। हम अपने आचार विचार की उच्च गुणवत्ता का अनुसरण करते हैं।

गुणवत्ता- हम उच्च गुणवत्ता युक्त विश्वस्तरीय उत्पाद करते हैं।

ग्रहण क्षमता- हम समय/ बाजार की मांग को यथा समय पकड़ कर उसी अनुसार उत्पाद तैयार कर सप्लाई करते हैं।

टीमवर्क- संस्थान की बेहतर उन्नति के लिए हमारा स्टाफ टीम वर्क कार्य करता है, जो हमारे लक्ष्य प्राप्ति में सहायक है।

हमारे सम्माननीय ग्राहक- यामाहा, सुजुकी, टीवीएस, टोयोटा, होण्डा, रॉयल इनफील्ड, मारुति सुजुकी अशोक लीलेण्ड, हीरो साइकिल, अम्बुजा सीमेण्ट, सहारा यूनिवर्सिटी, चितकारा व चण्डीगढ़ यूनिवर्सिटी

अवार्ड
- अटल बिहारी वाजपेयी एक्सीलेंस अवार्ड
- उद्योगरत्न अवार्ड
- इन्दिरा गांधी शिरोमणि अवार्ड
- इण्डस्ट्रियल कॉन्क्लेव अवार्ड
- शिरोमणि विकास अवार्ड
- टेक्सटाइल फेयर इण्डिया 2019 अवार्ड
- यार्न, फैब्रिक्स व एसेसरीज 2019 अवार्ड

हमारे ब्राण्ड- अमरटेक्स यूनिफॉर्म फैब्रिक्स, रिकल्ट, ग्रोवियानों, लिल सेण्ट, मीरा, माइकल्चर।

हमारे आधार स्तंभ - सत्यता, पारदर्शिता व टीम वर्क

अमरटेक्स इंडस्ट्रीज लि.

हेड ऑफिस- 365, अमरटेक्स रोड, इण्डस्ट्रीयल एरिया, फेज-1, पंचकूला (हरियाणा)-134113

गुडगांव कॉरपोरेट ऑफिस- 16, सेक्टर 44, हुडा सिटी सेंटर, गुडगांव

मुम्बई ऑफिस- बी-1, गाला नं. 105-108, अनमोल टेक्सटाइल मार्केट कोटक महिन्द्रा बैंक के ऊपर, अंजूर फॉंटा भिवंडी (ठाणे)-421302
फोन- 0172-2586399, 2562483, 7888691695

RISHAB WORLD

The
Finest Italian Fashion
Fabrics

D&J

www.donandjulio.com

DonandJulio   Don & Julio

Call at +91 93219 14004 or email at crm@rishabworld.com

CMAI एवं FABEXA द्वारा आयोजित फैब शो एग्जीबिशन सफलतापूर्वक संपन्न

फैबेक्सा पवेलियन में लेटेस्ट एवं ट्रेंडी फैब्रिक्स कलेक्शन का आकर्षक प्रदर्शन

अहमदाबाद के 60 से अधिक गारमेण्ट फैब्रिक निर्माताओं ने फेस्टिव एवं विंटर सीजन के लिए पेश की नई रेंज

कॉटन एवं ब्लेण्डेड सूटिंग-शर्टिंग तथा ड्रेस मटीरियल में नए डिजाइनर कलेक्शन की हुई अच्छी बुकिंग

मुम्बई/ दी क्लॉथिंग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (CMAI) द्वारा Fabexa अहमदाबाद के सहयोग से 26 से 28 अप्रैल 2023 को बॉम्बे एग्जिबिशन सेंटर, मुंबई में तीन दिवसीय एग्जीबिशन का शानदार आयोजन किया गया। 26 अप्रैल को CMAI एवं Fabexa के पदाधिकारियों ने मिल कर विधिवत तरीके से एग्जीबिशन का शुभारंभ किया। एग्जीबिशन में देश भर से आए कपड़ा निर्माताओं ने मेन्स वीयर, वूमेंस वीयर तथा किड्स वीयर के लिए गारमेंट फैब्रिक का आकर्षक सामूहिक डिस्प्ले किया। एग्जीबिशन में मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन, अहमदाबाद की शाखा फैबेक्सा की तरफ से 60 से अधिक कॉटन एवं ब्लेंडेड सूटिंग शर्टिंग एवं ड्रेस मटीरियल निर्माताओं ने रेडीमेड गारमेंटर्स के लिए नए इनोवेशन प्रस्तुत किए। फैब्रिक्स उत्पादन से जुड़े उद्यमियों के अनुसार फेस्टिव एवं विंटर सीजन के लिए तैयार फैब्रिक्स की बिक्री अभी जारी है, वहीं आगामी समर सीजन 2024 की भी तैयारियां की जा रही है। अधिकतर फैब्रिक निर्माताओं ने एग्जीबिशन में AW - 2023 सीजन के लिए निर्मित फैब्रिक्स का डिस्प्ले किया। महाजन के अध्यक्ष श्री गौरांग भगत ने कहा कि CMAI के साथ हमारा संगठन मजबूती के साथ खड़ा है, हमारी टीम ने लगातार दूसरी बार फैब शो एग्जीबिशन में भाग लिया है। ट्रेड शो की शानदार सफलता के लिए मैं सभी एग्जिबिटर्स एवं विजिटर्स को बधाई देता हूं। गारमेंट इंडस्ट्री से जुड़े हर छोटे-बड़े ब्रांड की विजिटिंग तथा भारी मात्रा में मिले कपड़े के ऑर्डर्स ने फैब शो की सफलता पर मोहर लगा दी। तीनों दिन विजिटर्स की भारी संख्या में उपस्थिति से आगामी सीजन में अच्छे व्यवसाय की उम्मीद को भी बल मिला है।

फैब शो की शानदार सफलता से आगे अच्छे व्यवसाय की उम्मीद -श्री बाबूलाल सोनीगरा

मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन, अहमदाबाद के कोषाध्यक्ष एवं भावना प्रोसेसर्स प्रा. लि. के डायरेक्टर श्री बाबूलाल सोनीगरा ने कहा कि फेबेक्सा पेवेलियन में गारमेण्ट सेक्टर से जुड़े व्यवसायियों के लिए अहमदाबाद के फैब्रिक निर्माताओं ने ढेर सारी नई फेब्रिक वैराइटीज प्रस्तुत की। आगामी विंटर एवं फेस्टिव सीजन के लिये एग्जिबिटर्स ने नए डवलपमेंट्स का आकर्षक डिस्प्ले किया, वहीं गारमेंट लाइन से बड़ी संख्या में ऑर्डर्स भी मिले हैं। ओवर ऑल फैब शो एग्जीबिशन आगामी सीजन की एडवांस तैयारी के लिए फैब्रिक एवं रेडीमेड गारमेंट निर्माताओं के लिए बहुत अच्छा मौका साबित हुआ है।

फैशन फैब्रिक्स का विशाल डिस्प्ले

फैब शो में अहमदाबाद के गारमेंट फैब्रिक सप्लायर्स ने देश की सबसे बड़ी गारमेंट मण्डी मुंबई में आगामी सीजन के लिए मनमोहक फेब्रिक डिस्प्ले किया जिसे देश भर से आए मेंस, विमेंस एवं किड्स अपैरल निर्माताओं ने खूब सराहते हुए फैशन फैब्रिक्स निर्माताओं को अच्छे ऑर्डर्स भी दिए। इसमें कॉटन एवं ब्लेंडेड सूटिंग शर्टिंग, डेनिम एवं ड्रेस मटेरियल निर्माताओं ने विजिटर्स व्यापारियों के लिए बड़े पैमाने पर प्रदर्शन कर फेस्टिव एवं विंटर सीजन की एडवांस प्लानिंग का संदेश दिया। फैब्रिक्स निर्माताओं द्वारा निटिंग, होजियरी फैब्रिक्स, डेनिम, ग्रे, रेयान फैब्रिक्स में भी अद्वितीय रेंज प्रदर्शित की गई। इसी तरह बॉटम फॉर्मल एवं कैजुअल वीयर के लिए निर्माताओं ने लाईक्रा कॉटन सूटिंग्स में नए कलर्स एवं डिजाइंस में व्यापक रेंज पेश की। प्राप्त जानकारी के अनुसार इंडिगो, सल्फर डाइंग, निटेड फैब्रिक्स, डेनिम लुक कॉटन फैब्रिक्स, डॉबीज, स्ट्रक्चर आदि डिजाइंस को एग्जीबिशन में सराहा गया। इसी तरह शर्ट्स के लिए शत् प्रतिशत कॉटन लाइक्रा एवं नॉन लाइक्रा शर्टिंग फैब्रिक्स में डिजिटल प्रिंट्स, चैक्स, लाइनिंग सहित नए नए फैब्रिक कलेक्शंस प्रिंट एवं प्लेन कलर्स में इंट्रोड्यूस किए गए हैं। लेडीज फैशन फैब्रिक्स निर्माता भी कॉटन एवं रेयान फैब्रिक्स में लाइक्रा रेंज का विभिन्न आकर्षक डिजाइंस का जमकर डिस्प्ले किया।

CMAI FAB Show 2023 Generates Rs.2000 crores Business Reflecting Optimism in the Indian Apparel Industry

Mumbai/ The Fabrics, Accessories & Beyond Show 2023 (FAB Show 2023) organised by the Clothing Manufacturers Association of India (CMAI) last week concluded on an optimistic note with business of about Rs. 2000 crores generated during the three days of these B2B events. The CMAI Vendor Sourcing Fair 2023 (VSF 2023) was also organised alongside the CMAI FAB Show 2023.

This year the CMAI FAB Show 2023 witnessed over 12, 000 visitors including more than 1500 top platinum buyers and brands including Amazon, Ajio, Anita Dongre, Bewakoof, D'Mart, Firstcry, Jack & Jones, Killer, Lifestyle, Max, Myntra, Mufti, Raymond, Nykaa, Pantaloons, Pepe Jeans, Pothys, Shoppers Stop, Siyaram's, Soch Apparel, Spykar, V Mart, Westside, Zudio, among many others.

Speaking about the industry outlook, Rajesh Masand, President, Clothing Manufacturers Association of India (CMAI), said, "The overall garment retail segment in India is estimated to be Rs 8 lakh crore. Over the years the garment segment, which grew 18% in the last year, has seen a significant consumer shift towards branded apparel with online buying picking up pace. The garments industry is hopeful of the upcoming festive and wedding season and is expecting healthy growth for apparel especially occasion wear this year."

"Post-pandemic, the overall growth of the industry has been minimal in line with the GDP growth rate of the country. Furthermore, the industry has been impacted with almost 50% rise in cotton yarn over two years, which saw garment manufacturers and retailers increasing prices by 15-20% leading to slowing down of demand in the unorganized sector, especially in tier-2 and tier-3 cities and towns," added Mr. Masand.

Speaking about the apparel segment expectations, Venu Nair, Managing Director & CEO, Shoppers Stop Ltd., said, "We are expecting a strong growth in the apparel segment, on the back of our key strategic pillar of Private Brands, National Brands and Store Expansions. We are expecting the market to be very positive with a considerable increase in demand this wedding and festive season. Festive season also comes with holidays. Travel and vacation, are further strong reasons for customers to invest in their ensemble."

Sharing insights on the denim segment, Manish Kapoor, CEO, Pepe Jeans, said, "Summer will be very promotional with growth driven by price and little volume growth. Volume growth expected to come in from mid Q2. the premium denim segment is expected to grow at 12-13% as premiumization still continues as a major trend. Consumer preference for sustainable and on trend products is also seeing a positive trend. We are expecting a 15-18% growth during the festive."

The CMAI FAB Show 2023 also attracted largest domestic and international buyers including Bangladesh, China, Ethiopia, Hong Kong, Nepal, New Zealand, UAE, and UK. Among the top exhibitors were Arvind mills, Grasim mills, Jindal mills, Bhagwan Textiles Mumbai, Disha Mumbai, Artex Bangalore, Gokul Tex Surat, Apple industries Surat, Sashwat Ahmedabad and Bhavna processors Ahmedabad.

The world's largest associations namely Bangladesh Garments Manufacturers & Exporters Association (BGMEA) and Bangladesh Knit Manufacturers & Exporters Association (BKMEA) also participated in the CMAI FAB Show 2023.

About CMAI- The Clothing Manufacturers Association of India (CMAI) is the most representative association of the Indian apparel industry having over 4000 members and serving more than 20,000 Retailers. Its Membership consists of Manufacturers, Exporters, Brands, and ancillary industry.

CMAI advocates regarding policies and also guides and encourages its members on ESG related matters and initiatives. In 2019, CMAI launched the SU.RE initiative to encourage members to embrace sustainability.

Established six decades ago, CMAI has contributed immensely towards development of the industry. In 1978, CMAI had led the creation of the Apparel Export Promotion Council (AEPC). CMAI is also authorised by the Government of India to issue Certificate of Origin (Non-Preferential) to Exporters.

CMAI is the only Indian Association that represents the entire Indian Apparel Industry & Trade on prestigious international forums such as International Apparel Federation (IAF) headquartered in Netherlands.

CMAi 60 YEARS
60 YEARS OF DELIVERING EXCELLENCE

यूनिफॉर्म फैब्रिक के साथ लिनन सूटिंग-शर्टिंग में निरन्तर उन्नति की ओर अग्रसर

जगदम्बा

दो दिवसीय एजेण्ट मीट में नए डवपलमेण्ट की प्रशंसा

मुम्बई/ शुरूआत से ही अपनी क्वालिटी एवं नये डवलपमेण्ट के लिए तत्पर जगदम्बा की स्थापना वर्ष 2002 में स्व. श्री अशोक कुमार बागड़ी द्वारा नये टेक्नोलोजी एवं वीविंग मशीनों की स्थापना की। इन मशीनों पर कम्पनी द्वारा मेजिक और फैन्सी फैब्रिक बनाना शुरू किया। निरन्तर अपने व्यापार को क्वालिटी के दम पर आगे बढ़ाते हुए वर्ष 2008/09 में यूनिफॉर्म सेक्टर एवं वर्ष 2012 में पहली बार लिनन शर्टिंग लॉञ्च की। अपने उत्पादों की क्वालिटी एवं गुणवत्ता पर खरे उतरते हुए कम्पनी आज भारत की तमाम मण्डी में अपने यूनिफॉर्म एवं लिनन, वर्ष 2022 में नये ब्राण्ड ''जगदम्बा'' लिनन शर्टिंग ब्राण्ड 'तान्तव' को लॉञ्च कर निरन्तर उच्चाईयों पर ले जा रही है।

कम्पनी आज यूनिफॉर्म सेक्टर में स्कूल एवं कॉर्पोरेट सेक्टर को टारगेट करते हुए अपने नये-नये डवलपमेण्ट पेश कर रही है जिसमें फिलाफिल, स्पन बाई स्पन, टेक्स बाई स्पन, ऑक्सफोर्ड जैसी क्वालिटियों को मार्केट से बहुत अच्छा रेस्पोंस मिल रहा है।

आज कम्पनी की सम्पूर्ण बागडोर युवा हाथों में है उनके अनुभवी सुपुत्र श्री राघव अशोक बागड़ी एवं यशवर्धन अशोक बागड़ी द्वारा देखी जा रही है। अपने पिताश्री की मेहनत एवं लगन को ध्यान में रखते हुए उनके दोनों सुपुत्र अपने इस टेक्सटाइल व्यवसाय को दिनों दिन आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। श्री राघव बागड़ी ने बताया कि कम्पनी यूनिफॉर्म सेक्टर में मजबूती के साथ आगे बढ़ती जा रही है, साथ ही लिनन, सूटिंग-शर्टिंग, बेडशीट एवं फनिर्शिंग में भी बड़े पैमाने पर उत्पादन कर अपने व्यापारियों को सप्लाई कर रही है। हाल ही में कम्पनी द्वारा लिनन शर्टिंग में पीस पैकिंग की रेंज भी तैयार की है, जो व्यापारियों को खूब पसंद आ रही है।

युवा हाथों में बागडोर

जिस कम्पनी में युवाओं की टीम कार्य करती है, वह कम्पनी हमेशा अपने नये आयाम तय करती है। यही बात जगदम्बा में देखने को मिली। कम्पनी ने पिछले वर्ष ISO सर्टिफिकेट, OKEO-TEX STANDARD 100 प्राप्त किया, इसमें कम्पनी के लिनन फैब्रिक को यह सर्टिफिकेट दिया गया। इसे प्राप्त करने के लिए कई प्रोसेस से गुजरना पड़ता है जिसमें क्वालिटी, प्रोसेसिंग, गुणवत्ता को जाँच पर रखने के बाद यह सर्टिफिकेट दिया जाता है, जो जगदम्बा में अपनी मेहनत के प्राप्त किया है। इस सर्टिफिकेट की बदौलत कम्पनी अब अपने उत्पादों को यूरोपीय देशों में अलग-अलग एक्सपोर्टर्स के साथ मिलकर एक्सपोर्ट कर रही है। ऐसा अनुमान है कि यह सर्टिफिकेट शत् प्रतिशत लिनन में कुछ ही कम्पनियों को प्राप्त है जो यूरोपीय देशों में अपना फैब्रिक सप्लाई कर रहे है।

क्वालिटी से कोई समझौता नहीं

श्री बागड़ी ने बताया कि शुरूआत से ही कम्पनी ने कभी भी क्वालिटी के साथ समझोता नहीं किया। यही कारण है कि कम्पनी आज बड़े एक्सपोर्टर्स के साथ मिलकर अपने उत्पादों को विदेशों में सप्लाई कर रही है। कम्पनी की पूरी टीम भरपूर उत्साह के साथ आगे बढ़ रही है।

दो दिवसीय एजेण्ट मीट

श्री राघव बागड़ी ने बताया कि कम्पनी द्वारा हाल ही में मुम्बई के प्रतिष्ठित नोवाटेल होटल में 29 अप्रैल 2023 एजेण्ट मीट का आयोजन किया, जहां कम्पनी के ऑल इण्डिया से सभी एजेण्ट्स ने भाग लिया। वहां कम्पनी की सम्पूर्ण मेनेजमेण्ट टीम काफी उत्साह में नजर आ रही थी। इस दौरान कम्पनी ने अपनी यूनिफॉर्म एवं लिनन के सभी प्रॉडक्ट अपने एजेण्ट्स के सामने पेश किये जिसे देखकर एजेण्ट्स ने इन उत्पादों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस दौरान कम्पनी द्वारा अपने सभी एजेण्ट्स को फैक्ट्री का विजिट कराया जहां कम्पनी के उत्पाद अत्याधूनिक मशीनों पर निर्मित किए जा रहे है।